दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
dainiksandhyaprakash.in
वर्ष 54/ अंक 271/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
आर.एन.आई 22296/71 डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, शनिवार 10 मई 2025 भोपाल से प्रकाशित

4 दिन पहले केरल पहुंचेगा मानसूनः 1 जून की जगह 27 मई को आएगा

देश में इस साल मानसून के तय समय से 4 दिन पहुंचने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार को बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून 27 मई को केरल के तट पर पहुंचेगा। आमतौर पर यह 1 जून को पहुंचता है। 8 जुलाई तक यह पूरे देश को कवर कर लेता है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगर मानसून 27 मई को आता है तो 2009 के बाद पहली बार होगा, जब मानसून इतनी जल्दी भारत में दस्तक देगा। 2009 में 23 मई को मानसून केरल पहुंचा था।

पाकिस्तान के 8 सैन्य ठिकानों पर हमला किया

सियालकोट में आतंकी लॉन्च पैड तबाह जम्मू शहर में पाक के हवाई हमले जारी

नई दिल्ली। पाकिस्तान में आतंकी लॉन्चपैड तबाह करने की ये फुटेज बीएसएफ ने जारी किया है। पाकिस्तान के सियालकोट में लूनी में यह लॉन्चपैड तबाह किया गया है।पाकिस्तान के शनिवार रात को हमले के बाद भारत ने उसके आठ सैन्य ठिकानों हमला किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी।

बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने शनिवार को एक वीडियो जारी किया है। इसमें पाकिस्तान के सियालकोट में आतंकी लॉन्चपैड की फुटेज है, जिसे बीएसएफ ने तबाह कर दिया है। ड्रोन यहीं से दागे जा रहे थे।पाकिस्तान ने शुक्रवार को रात 7.47 से रात 10.57 के बीच पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के 26 शहरों में 550 से ज्यादा ड्रोन दागे। इस हमले को आर्मी ने नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने शनिवार सुबह फिर जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा और गुजरात में हमला किया। राजौरी, पुंछ और जम्मू में भी भारी गोलाबारी की गई। राजौरी के प्रशासनिक अफसर समेत 5 लोगों की गोलाबारी में मौत हो गई।

जम्मू शहर में भी भी हवाई हमला जारी है। कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान बॉर्डर से लगे श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिले में रेड अलर्ट है। चंडीगढ़ और अंबाला में हवाई हमले की चेतावनी दी गई है।

सेना ने ऑपरेशन सिंदूर का नया वीडियो जारी किया है। सेना ने बताया कि 8-9 मई की रात जम्मू-कश्मीर और पंजाब के कई शहरों में ड्रोन हमलों के जवाब में हमने आतंकी लॉन्च पैड तबाह कर दिए। स्र्भष्ट के पास बने ये लॉन्च पैड भारत के नागरिकों और सुरक्षा बलों पर हमले की प्लानिंग और एग्जीक्यूशन का सेंटर थे। सैन्य कार्रवाई ने आतंकी ढांचे को एक बड़ा झटका दिया है।

कर्नल सोफिया बोलीं

पाकिस्तान ने पंजाब एयरबेस पर मिसाइल दागी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान एक दूसरे पर सैन्य कार्रवाई कर रहे हैं। इस बीच विदेश और रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेस की। इसमें कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने हाईस्पीड मिसाइल से जम्मू-कश्मीर के

उधमपुर, पंजाब के पठानकोट, आदमपुर और गुजरात के भुज एयरबेस पर हमला किया, जिसमें हमें नुकसान पहुंचा है।

पाकिस्तान ने अस्पताल और स्कूल को भी निशाना बनाने की कोशिश की, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। ब्रह्मोस फैसिलिटी तबाह करने पाकिस्तानी दावा गलत है। भारतीय स्-400 डिफेंस सिस्टम भी पूरी तरह सुरक्षित है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी मौजूद थे।

भारत ने मचाई तबाही तो नुकसान छिपाने में लगा पाक

शनिवार की सुबह भारत ने पाकिस्तान के नूर खान, मुरिद और रफीकी एयरबेसों पर मिसाइलें दागी, जिससे इन ठिकानों पर भारी तबाही हुई है। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने स्वीकार किया कि भारत ने अपने विमानों के जरिए हवा से सतह पर मिसाइलें दागीं। इसके बाद पाकिस्तान ने बुनयान उल मारसूज ऑपरेशन के तहत भारत के पठानकोट और उधमपुर एयरबेसों को निशाना बनाया है। इधर भारत ने पाकिस्तानी एयर डिफेंस की बखिया उधेड़ते हुए उसके चार एयरबेसों को मिसाइल हमले में तबाह कर दिया. पाकिस्तानी सेना भारतीय हमलों में हुए नुकसान को छिपाने की रणनीति पर काम कर रही है.

पाकिस्तान ने खुद कबूली तीन एयरबेसों पर निशाने की बात

इससे पहले पाकिस्तान ने शनिवार की सुबह दावा किया कि उसके तीन एयरबेसों को भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने निशाना बनाया। पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस्लामाबाद में सुबह करीब 4 बजे जल्दबाजी में बुलाई गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पाकिस्तान वायुसेना के नूर खान (चकलाला, रावलपिंडी), मुरीद (चकवाल) और रफीकी (झांग जिले में शोरकोट) एयरबेसों को निशाना बनाया गया। इसके कुछ देर बाद ही भारत में सूत्रों के हवाले से भी जवाबी कार्रवाई की बात सामने आई।

सांध्यप्रकाश विशेष

'मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र अंतरराज्यीय नियंत्रण मंडल' की 28वीं बैठक आज दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में मध्यप्रदेश-महाराष्ट्र अंतर्राज्यीय नियंत्रण मंडल की 28वीं बैठक 10 मई को अपरान्ह 2.25 बजे से मंत्रालय वल्लभ भवन में होगी। इसी दिन विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज परियोजना ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज के एम.ओ.यू. पर मध्यप्रदेश एवं बेसिन मेगा रिचार्ज योजना को राष्ट्रीय जल परियोजना घोषित कराने के लिए केन्द्र सरकार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि ताप्ती बेसिन बहुउद्देशीय परियोजना में मध्यप्रदेश के जल हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज योजना में 31.13 टी.एम.सी. जल का उपयोग होगा। इसमें से 11.76 टी.एम.सी मध्यप्रदेश को और 19.36 टी.एम.सी

महाराष्ट्र सरकार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश के लिए यह सौभाग्य एवं गौरव का विषय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन-बेतवा लिंक परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के बाद यह मध्यप्रदेश की तीसरी महत्वपूर्ण अंतर्राज्यीय नदी परियोजना होगी। ताप्ती बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना विश्व की सबसे बड़ी ग्राउण्ड रिचार्ज परियोजना है।

परियोजना के जरिए हम महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ताप्ती नदी की तीन धाराएं बनाकर राष्ट्रहित में नदी जल की बूंद-बूंद का उपयोग सुनिश्चित कर कृषि भूमि का कोना-कोना सिंचित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती जल महाराष्ट्र राज्य के हिस्से में आएगा। इस परियोजना में प्रस्तावित बांध एवं नहरों से मध्यप्रदेश कुल 3 हजार 362 हैक्टेयर भूमि उपयोग में लाई जाएगी। परियोजना के अंतर्गत कोई गांव प्रभावित नहीं होगा। इसमें पुनर्वास की भी आवश्यकता नहीं होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना से मध्यप्रदेश के 1 लाख 23 हजार 82 हैक्टेयर भू-क्षेत्र और महाराष्ट्र के 2 लाख 34 हजार 706 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की स्थाई सुविधा उपलब्ध होगी। इस परियोजना से म.प्र. के बुरहानपुर एवं खण्डवा जिले की बुरहानपुर, नेपानगर, खकनार एवं खालवा की कुल 4 तहसीलें लाभान्वित होंगी।

पाकिस्तान में इमरान खान को जेल से रिहा करने की मांग तेज, पीटीआई ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान की अदियाला जेल में भ्रष्टाचार मामले में सजा काट रहे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग तेज हो गई है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर कर तत्काल रिहाई की अपील की है।

याचिका में दावा किया गया है कि लंबे समय तक हिरासत और भारत के साथ तनावपूर्ण स्थिति के कारण खान की जान को खतरा है। साथ ही, जेल में ड्रोन हमले की आशंका भी जताई गई है।

पीटीआई के खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने याचिका दायर की है, जिसमें राष्ट्रीय एकजुटता और खान के स्वास्थ्य को आधार बनाकर पेरोल या प्रोबेशन पर रिहाई की मांग की गई है। गंदापुर ने खान को मुस्लिम उम्मा का नेता बताते हुए कहा कि उनकी हिरासत राजनीति से प्रेरित है और यह संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने न्याय की उम्मीद जताई और कहा कि पार्टी ने सभी कानूनी रास्ते अपनाए हैं। याचिका में कहा गया है कि खान ने जेल नियमों का पालन किया है, फिर भी उन्हें लंबे समय तक हिरासत में रखा गया, जिससे उनका स्वास्थ्य खतरे में है। अदालत ने अभी सुनवाई की तारीख तय नहीं की है। बता दें, इमरान खान को भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की सजा सुनाई गई है और उन पर 100 से अधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें सरकारी उपहार बेचने से लेकर गोपनीय दस्तावेज लीक करने के आरोप शामिल हैं।

भारत के विरोध के बावजूद पाकिस्तान को मिल गया कर्ज, आईएमएफ ने दे दिया 8,500 करोड़ का लोन

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले पर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच आईएमएफ (इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड – IMF) ने देर रात आईएमएफ की मीटिंग में पाकिस्तान को 1 बिलियन डॉलर्स (करीब 8,500 करोड़ रुपये) के लोन को मंजूरी दे दी गई है। यह फैसला भारत के विरोध के बावजूद लिया गया।

पाकिस्तान को लोन दिए जाने के फैसले पर हुई वोटिंग में भारत ने वोट नहीं दिया, क्योंकि आईएमएफ लोन को ग्रीन सिग्नल देने के लिए होने वाली वोटिंग में 'नहीं' का ऑप्शन उपलब्ध नहीं होता। आईएमएफ ने लचीलापन और स्थिरता सुविधा के तहत एक व्यवस्था के लिए अधिकारियों के उस अनुरोध को भी मंजूरी दे दी, जो लगभग 1.4 बिलियन डॉलर्स (11,000 करोड़) की पहुंच के साथ प्राकृतिक आपदाओं से बचाव में पाकिस्तान के प्रयासों का समर्थन करेगी।

भारत के विरोध के बावजूद पाकिस्तान को मिला लोन

भारत के प्रतिनिधि ने आईएमएफ की मीटिंग में पाकिस्तान को लोन न दिए जाने की सभी दलीलें दी और बताया कि कैसे पाकिस्तान इस फंडिंग का इस्तेमाल आतंकवाद को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करेगा। हालांकि भारत के विरोध के बावजूद आईएमएफ ने पाकिस्तान को लोन दिया, जिसका देशभर में जमकर विरोध हो रहा है। भारत ने यह भी कहा कि पाकिस्तान लंबे समय से आईएमएफ से भीख मांगने वाले देशों में से एक रहा है और आईएमएफ के नियमों को लागू करने के मामले में भी उसका ट्रैक रिकॉर्ड काफी खराब रहा है।

खौफ में पाकिस्तानः भारत हमले रोक दे तो हम जंग से पीछे हटने को तैयार

भारत का खौफ, बढ़ते सैन्य तनाव के बीच पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने शनिवार को बयान दिया कि यदि भारत आगे कोई हमला नहीं करता है तो पाकिस्तान भी स्थिति को शांत करने पर विचार करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर भारत कोई नया हमला करता है, तो हमारा जवाब जरूर आएगा। डार ने पाकिस्तानी समाचार चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा, हमने जवाब दिया क्योंकि हमारा सब्र अब जवाब दे गया था। अगर भारत यहीं रुकता है, तो हम भी रुकने पर विचार कर सकते हैं। डार की यह नरमी अमेरिका की उस अपील के बाद आई है जिसमें दोनों देशों से तनाव कम करने और सीधा संवाद बहाल करने की अपील की गई है।

भोपाल में अलर्ट, इमरजेंसी नंबर जारी

भोपाल। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव भरे हालात को देखते हुए शासन-प्रशासन और पुलिस अलर्ट मोड पर है। शहर को सात जोन में बांटकर अफसरों को तैनात किया गया है।

सरकारी सेवाओं से जुड़े शहर के लगभग दो हजार कर्मचारियों के अवकाश निरस्त कर दिए गए हैं। शासन स्तर से नागरिक सुविधाओं की सहज आपूर्ति से जुड़े समस्त विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ के अवकाश पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी गई है। प्रतिबंध अवधि में अवकाश आवेदन कलेक्टर की अनापत्ति के उपरांत सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत किए जाएंगे।

सड़कों पर चेकिंग जारी– शहर में आने जाने वाले मार्गों पर लगातार चेकिंग की जा रही है। किसी भी संदिग्ध वाहन को चेक करने के निर्देश दिए गए हैं और पुलिस से कहा गया है कि लगातार सड़कों पर चेड्क्षकग की जाए। इसके अलावा भोपाल एयरपोर्ट जाने वाले मार्ग पर भी चेड्क्षकग बढ़ गई है। प्रशासन ने सिविल डिफेंस और पुलिस कंट्रोल रूम का गठन किया है जहां से भोपाल में होने वाली हर तरह की चेकिंग पर नजर रखी जा रही है।

इंदौर के होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जांच में कुछ नहीं मिला

इंदौर। आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ रहे देश के तनाव के बीच फिर से इंदौर में धमकी भरे ई मेल आने लगे है। पहले इंदौर के दो स्कूलों और एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। इस बार होलकर स्टेडियम को बम से उड़ाने का ईमेल मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव को आया। जिसमें लिखा था 'आपके होलकर स्टेडियम में बम विस्फोट होगा।' इसके बाद एमपीसीए ने पुलिस को सूचना दी। बस निरोधक दस्ते और तुकोगंज पुलिस ने स्टेडियम में जाकर जांच की, लेकिन कुछ नहीं मिला। धमकी फर्जी साबित हुई।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के ग्राम पिपलानी में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह का शुभारंभ दीप जलाकर किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक शब्द का गलत अनुवाद और हो गया था सर्वनाश

हमारे युग की सबसे भयंकर भूल को सुधार लेते तो कुछ और होता इतिहास

भाषा की समझ कितना बड़ा संकट हल कर सकती है या हमें कितनी बड़ी मुसीबत में डाल सकती है, यह युद्ध या प्रेम में ही समझा जा सकता है। अक्सर लगता है कि दो राष्ट्राध्यक्षों की मुलाकात में दुभाषिए का कितना बड़ा महत्व होता है। अगर दुभाषिए ने एक शब्द के मंतव्य को पकड़ने में जरा सी चूक कर दी तो इस तो के कई परिणाम है। संभव है यह एक त्रुटि राष्ट्रों को बर्बाद कर दें। वहां के मासूम नागरिकों को बिना कसूर मौत की सजा दे दे। इतिहास में ऐसी चूक के कई उदाहरण हो सकते हैं लेकिन आज यहां जिस चूक के बारे में बात की जा रही है वह हमारे युग की सबसे भयंकर भूल में शुमार है। शब्द के अनुवाद की एक चूक जिसने सीधे-सीधे 2 लाख 14 हजार लोगों की जान ले ली। उस चूक से मिला दर्द आज भी सालता है। अफसोस कि युद्ध उन्माद में उस शब्द के अनुवाद की गलती सुधारी नहीं गई। अगर सुधार ली जाती तो आज का इतिहास कुछ ओर होता।

सन् 1945 का टोकियो। वसंत ऋतु में जापान बुरी तरह हारता जा रहा था। मित्र राष्ट्रों के विमानी हमले रेल, तार, सड़क, पुल और मकानों को उतनी तेजी से नष्ट करते जा रहे थे, जितनी तेजी से कि वे बन नहीं सकते थे। कामचलाऊ पुल भी बनाने का जापानियों को अवसर नहीं मिल रहा था। जापान परेशान था। जापान पराजित हो रहा था। जापान मिट रहा था। शहरों और कस्बों में खंडहरों से धुएं को धाराएं उठ रही थीं। लाखों लोग वेधरवार होकर इधर-उधर भटक रहे थे। खाने-पीने की चीजें खत्म हो गई थीं। जापान का अंतिम समुद्री बेड़ा गर्क हो चुका था। किंतु जापान की सर्वोच्च सैन्य हाई कमान ने तलवार म्यान में रखने से इनकार कर दिया था और प्रतिज्ञा की थी कि जब तक जान में जान है, आन और शान नहीं जाने पाएगी। जापान के युद्ध-वादियों का तर्क था कि वे शीघ्र ही निर्णायक युद्ध में विजय प्राप्त करने ही वाले हैं। युद्धमंत्री जनरल कोरेचिका अनामी ने वचन दिया कि आक्रमणकारी ओकिनावा से परे भगा दिए जाएंगे। इन युद्धवादियों का विरोधी एक छोटा-सा दल था, जापान के कूटनीतिज्ञों का, जिसने यह महसूस कर लिया था कि अंत तक लड़ने की अपेक्षा समर्पण में जापान की बहुत कम हानि है। उस समय रूस और जापान के बीच युद्ध अभी छिड़ा नहीं था। इसलिए इन नीतिज्ञों ने रूस से इस सम्बन्ध में चर्चा चलाई कि शांति-स्थापना हो जाए। इसमें इन लोगों का यह उद्देश्य था कि अगर अभी समर्पण कर दिया तो जापान को कुछ अच्छी शर्तों पर कई सुविधाएं मिल जाएंगी, वरना बाद में तो बिला शर्त समर्पण करना ही पड़ेगा।

जून महीने में भूतपूर्व प्रधानमंत्री कोकीहिरोता रूसी राजदूत जेकब मलिक से मिला। किंतु मलिक ने उसके प्रस्तावों में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। तब 12 जुलाई के दिन जापान के सम्राट ने राजकुमार कोनेये को अपने निजी संदेश के साथ शांति का प्रस्ताव लेकर भेजा।

– शेष पेज 2 पर

भोपाल। तीन दिवसीय जनजातीय शिल्प ग्राम महोत्सव में जनजातीय पारंपरिक कला के रंग देखने को मिल रहे है।

युद्धं संनादति करूरं (युद्ध क्रूरता से गूंजता है)

युद्ध केवल बाहरी युद्धक्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मनुष्य के अंतर्मन में चलने वाली अशांति, क्रोध, लोभ, और अहंकार की लड़ाई को भी संदर्भित करता है। यह क्रूरता मन की अज्ञानता और आसक्ति से उत्पन्न होती है, जो आत्मा को सत्य और शांति से दूर ले जाती है। भगवद्गीता (6.16) में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मन को नियंत्रित करना युद्ध से भी कठिन है। यह पंक्ति हमें उस क्रूरता की याद दिलाती है, जो अज्ञान और द्वेष से उत्पन्न होती है। युद्ध, चाहे बाहरी हो या आंतरिक, हृदय में भय उत्पन्न करता है। हृदयं संनादति भयम्।

ऑपरेशन सिंदूर के संदर्भ में एक छोटा सा अनुरोध

हम भारतीय सेना की भलाई के लिए 1,000 प्रार्थनाओं की श्रृंखला बना रहे हैं। एक प्रार्थना कहें।

णमोकार मंत्र

णमो अरिहंताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्व साहूणं

प्रदेश में आज भी बारिश की संभावना, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में आंधी का भी अलर्ट

भोपाल। मौसम विभाग ने शनिवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन-जबलपुर समेत मध्यप्रदेश के 40 से अधिक जिलों में अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में मौसम बदला रहेगा। जिलों में आंधी, हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है।शनिवार को जिन जिलों में मौसम बदला रहेगा, उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खंडवा, खरगोन जिले शामिल हैं। वहीं, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, विदिशा, अशोकनगर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, दमोह, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मंडला, बालाघाट, सिवनी, कटनी में भी हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी का दौर रह सकता है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वर्तमान में दो सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। 13 मई तक हल्की बारिश गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

कई जिलों में बारिश का दौर रहा, आंधी भी चली- इससे पहले शुक्रवार को प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदला रहा। भोपाल, श्योपुर, बैतूल, हरदा, अनूपपुर, शिवपुरी, अशोकनगर, मुरैना, गुना, विदिशा, रायसेन, सीहोर, खंडवा, छतरपुर, बैतूल, रतलाम, देवास, खरगोन, पन्ना, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, सिंगरौली और शहडोल में भी हल्की बारिश, आंधी और गरज-चमक की स्थिति बनी रही।

आतंकियों के जनाजे को कंधा देने वाली पाकिस्तान सरकार और सेना को दुनिया ने देखा: रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत माता चौराहे पर भारत माता की आरती में सम्मिलित हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा की देखिए भारत हर हमेशा आस्था भरोसे का दीपक दुनिया में जलाता आ रहा है भारत ये है कि जब-जब जहां अंधेरा हुआ है भारत ने हमेशा उसे अंधेरे में अपने हिस्से का दिया जलाकर दुनिया को प्रकाशमय किया है।

भारत में स्वाभिमान के साथ युद्ध छेड़ा है क्योंकि भारत की बहन बेटियों का सिंदूर उजाड़ने का काम पापी पाकिस्तान ने, उसके गुर्गों ने, कुछ मुल्ला मौलवियों के इशारों पर जो आतंकी पल रहे थे उसने किया। हमने उनकी ही जमीन पर, उनके ही घरों में घुसकर, उन्हें कब्रिस्तान बनाकर यह दुनिया को बता दिया है कि आतंकवादी भेड़िए कान खोलकर सुन लेना अगर विश्व की धरती पर जिंदा जीना है तो जो है मानवता की श्रेणी में जियो अगर तुम दूसरों का सिंदूर उजाड़ोगे तो तुम्हारे कुनबे को नष्ट कर देंगे अभी हमने आतंकवादियों को हमारी सेना ने चुन चुन कर निशाना बनाया है अभी हमने पाकिस्तानियों को खरोच नहीं लगने दी लेकिन वो दिन दूर नहीं जब जिन्होंने आतंकवादियों को पाला था जिन्हें आतंकवादियों को पैदा किए थे अब उनको भी नेसतानबूत करेंगे। आतंकीयों के जनाजे को कंधा देने वाली पाकिस्तान सरकार और सेना को दुनिया ने देखा जिससे दुनिया के सामने पाकिस्तान का आतंकी चेहरा उजागर हुआ। सिंदूर ऑपरेशन के लिए तीनों सेना को बधाई प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी का धन्यवाद जिन्होंने संकल्प लिया था की आतंकियों को मिट्टी में मिला देंगे। विधायक श्री शर्मा ने कहा कि भारत के 140 करोड़ नागरिक सभी विपक्षी दल देश के स्वाभिमान हमारी सेना के साथ खड़े है यही भारत की एकता अखंडता का प्रतीक है।

मिले सुर मेरा तुम्हारा 3 एक सुरीली संगीत निशा कार्यक्रम आज

भोपाल। सुर सरगम संगीत वृंद, भोपाल लेकर आयें हैं मिले सुर मेरा तुम्हारा 3 एक सुरीली संगीत निशा कार्यक्रम के आयोजक अनिल गर्दे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार का कार्यक्रम लाइव आर्केस्ट्रा के साथ किया जा रहा है जिसमें स्थापित कलाकारों के साथ ही प्रतिभाशाली उदीयमान कलाकारों को भी पहली बार बड़े मंच पर गाने का अवसर दिया जा रहा है.कार्यक्रम 10 मई को आई टी आई आडिटोरियम गोविंदपुरा भोपाल में होगा, कार्यक्रम के संयोजक किशन कुमार पाहुजा ने सभी संगीत प्रेमियों से संगीत निशा में उपस्थित होने का निवेदन किया है. कार्यक्रम में प्रवेश निःशुल्क है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संजीव सचदेवा, अंतरराष्ट्रीय एकार्डियन वादक और म्यूजिक अरेंजर, शशि कला चंद्रा, अध्यक्ष जिला उपभोक्ता आयोग विदिशा, सुरेश गर्ग, संचालक सुर शंकरा म्युजिकल ग्रुप, एम पी व्यास, वरिष्ठ पत्रकार, संजय व्यास, संचालक, व्यास म्युजिकल ग्रुप, सुश्री निवेदिता व्यास,आयोजिका व्यास म्युजिकल ग्रुप उपस्थित रहेंगे, कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध एंकर श्री अमित वाधवा करेंगे इस अवसर पर गायक प्रदीप शर्मा भी अपने मधुर संगीत प्रस्तुत करेंगे एवं अन्य गायक संगीतकार भी अपनी मधुर आवाज से कार्यक्रम में चार चांद लगाएंगे।

महिला विंग पंजाबी समाज में सुख-शांति के लिए विशेष प्रार्थना की

भोपाल। देश के सैनिक के लंबे जीवन की कामना करते हुए सविता शाह ने कहा जिनकी वजह से हम रातों में चेंन की नींद सो रहे हैं वह भी किसी ना किसी के बेटे हैं पति है किसी के भाई है ऐसे सैनिक को हम लंबी उम्र की कामना करते हैं और ईश्वर से यही प्रार्थना करते हैं कि उनका जीवन सुखमय हो भोपाल पंजाबी समाज महिला विंग द्वारा बैठक आयोजित की जिसमें 90 बहनों ने देश की रक्षा के लिए देश के सैनिकों और आम नागरिकों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को लेकर प्रार्थना की हनुमान चालीसा का पाठ किया एवं अरदास कर देश में शांति एवं समृद्धि बनी रहे ऐसी कामना की इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी प्रार्थना की इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महिला विंग की अध्यक्ष सविता शाह सचिव स्वीटी सेठी गुणवीत कौर गोरेवाड़ा बलजिंदर अरोरा प्रकाश खनुजा वरिंदर सैनी इंदरजीत कौर मोना दुग्गल भोपाल के सभी और से बहने उपस्थित थी।

पेज 1 का शेष

एक शब्द का गलत अनुवाद और हो गया था सर्वनाश

कोनेये को ये आदेश दिए गए थे कि किसी भी कीमत पर लड़ाई खत्म होनी चाहिए। वह इस हेतु मास्को गया। मगर उस वक्त स्तालिन और मॉलोतोव पोट्सडम कान्फ्रेंस में जानेवाले थे, अतः उन्होंने क्षमा-याचना की और चलते बने। पोट्सडम में स्तालिन ने अमरीका के राष्ट्रपति ट्रमेन को बातचीत में यह बताया कि जापान ने शांतिसंधि की बात चलाई है; लेकिन रूस सरकार को जापान के वचन पर विश्वास नहीं, इसलिए बात दुकरा दी गई है।

26 जुलाई, 1945 के दिन जापान को वह प्रसिद्ध अल्टीमेटम दिया गया, जिसपर ब्रिटेन, अमरीका और चीन के हस्ताक्षर थे। इसके अनुसार मांग की गई थी कि जापान आत्मसमर्पण कर दे अथवा सर्वनाश के लिए तैयार हो जाए। जापान को आत्मसमर्पण का मार्ग अच्छा लगा, क्योंकि सुविधाओं के अनुसार उसे अपनी सरकार स्वयं बनाने का मौका मिल रहा था और एक राष्ट्र के रूप में जापान नष्ट नहीं होता। इसमें यह भी संकेत दिया गया था कि जापान के सम्राट से सिंहासन नहीं छीना जाएगा। जापान के सम्राट ने अपने विदेशमंत्री शिगेनोरी तोजो से कहा कि बिना किसी हिचकिचाहट के उसे मित्र राष्ट्रों के अल्टीमेटम के के अनुरूप आत्मसमर्पण का प्रस्ताव पसंद है।

तब जापान के मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई गई। इस बैठक में मित्र राष्ट्रों के अल्टीमेटम पर विचार-विमर्श किया गया। 27 जुलाई का निर्णय यही रहा कि जापान में जल्द से जल्द शांति की स्थापना हो जानी चाहिए। इस निर्णय का इस बैठक में युद्धमंत्री अनामी और चीफ ऑफ स्टाफ ने बहुत विरोध किया। शांति-स्थापना और समर्पण साधारण काम नहीं था। कई अड़चनें सामने थीं। रूसियों के साथ आत्मसमर्पण की जो चर्चा चल रही है, उसका क्या होगा? और अभी दो दिन पूर्व, एक अंतिम प्रस्ताव मास्को भेजा गया था। इसके अलावा एक और तथ्य था, जिसपर विचार करने को मंत्रिमंडल बाध्य था। अभी तक जापान ने पोट्सडम घोषणा सिर्फ रेडियो पर चुनी थी। क्या जापानी सरकार इस तरह की गैर-सरकारी सूचना के आधार पर काम कर सकती है? फिर भी मित्र राष्ट्रों की शर्तों की स्वीकृति की घोषणा में अधिक विलम्ब नहीं था।

जापानी प्रधानमंत्री सुजूकी ने 28 जुलाई की अपनी प्रेस कान्फ्रेंस में बयान दिया कि मंत्रिमंडल 'माकुसत्सु' की नीति को चालू रखेगा। इस शब्द का अंग्रेजी में कोई पर्याय नहीं मिलता है और जापानी भाषा में इसके दो अर्थ निकल सकते हैं, एक, 'ध्यान न देना' और दूसरा 'टिप्पणी से दूर रहना'। परन्तु दुर्भाग्यवश जापानी समाचार एजेंसी दोमो के अनुवादकों को यह पता न था, अथवा उन्होंने यह जानने का प्रयत्न न किया कि उनके प्रधानमंत्री के मन-मस्तिष्क में कौन-सा शब्दार्थ था। जल्दी-जल्दी उन्होंने प्रधानमंत्री के बयान का अंग्रेजी अनुवाद किया और गजब हो गया कि उन्होंने गलत शब्द का चुनाव किया। रेडियो टोकियो से मित्र राष्ट्रों को बिजली की तरह यह समाचार मिला कि सुजूको मंत्रिमंडल ने पोट्सडम अल्टी-मेटम पर कोई 'ध्यान न देने' का निर्णय किया है।जापानी आकाशवाणी की इस घोषणा का तात्कालिक परिणाम कुछ इस प्रकार भी प्रकट हुआ कि जापान के बाहर, लंदन के 'द टाइम्स' ने 28 जुलाई, 1945 को लिखा- टोकियो मित्र राष्ट्रों की शर्तों पर ध्यान नहीं देगा-लड़ते रहने का दृढ़ निश्चय।

इसके बाद की कहानी इतिहास बन गई! इस अस्वीकृति के जवाब में मित्र राष्ट्रों के लिए यह साबित करना जरूरी हो गया कि अल्टीमेटम का अब भी वही मतलब था, जो शुरू में था। और जापान को अच्छी तरह समझा देने के लिए एटम बम ही सर्वथा उचित अस्त्र होगा। इन प्रश्नों का आज तक कोई उत्तर न मिला कि जापानी सरकार ने मोकुसत्सु के अर्थ की गलती को वैसी ही क्यों रहने दिया और उसें दुरुस्त क्यों न किया? इतने भयंकर परिणाम पैदा करने वाली गलती की गम्भीरता को जापानियों ने क्यों न समझा?

उस समय जापानी सेना शांति के प्रचारकों की गिरफ्तारियां कर रही थी। जो भी कोई उनका विरोध कर रहा था, उसे वे तुरंत गिरफ्तार कर रहे थे, चाहे वह कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो! शांति चाहनेवाले पक्ष को 27 जुलाई की मंत्रिमंडल की बैठक तक अपनी बात पहुंचाने के लिए कई माह प्रयत्न करना पड़ा था। स्थिति अधर में झूलती रही, क्योंकि थल सेना और नौसेना नियंत्रण के बाहर थी।यह धारणा बन गई कि 'प्रधानमंत्री सुजूकी ने मित्र राष्ट्रों के अल्टीमेटम को ठुकराकर उन्हें चुनौती देने का साहस किया है।' इस तथ्य से जापान के युद्धवादियों के हाथ में शक्ति संतुलन चला गया और वहां के शांतिवादियों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर छिपना पड़ा।

इन सभी घटनाओं के दुष्परिणाम पूरे विश्व को विदित हैं

हिरोशिमा और नागासाकी पर एटम बम गिराए गए, उधर रूसी सेनाएं मंचूरिया में प्रविष्ट हुई और पूर्व में रूस अत्यंत शक्तिशाली बन गया। जापान की हार हुई।

अधिकाधिक तकनीकी आधारित जीवन स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा : योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि हर साल 11 मई को राष्ट्रीय तकनीकी दिवस मनाया जाता है । देश को ताकतवर बनाने में तकनीकी का बहुत योगदान होता है । लेकिन अधिकाधिक तकनीकी आधारित जीवन मानव के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है, क्योंकि उपकरणों का अधिकाधिक उपयोग उसे प्रकृति से दूर कर रहा है, योग अभ्यास आसन, प्राणायाम, ध्यान, षटकर्म यम नियम का पालन करके मानव समाज स्वस्थ रहते हुए देश के विकास में निरंतर सहभागी बन सकता है ।

योग गुरु महेश अग्रवाल ने इस अवसर पर तकनीकी विकास और मानव समाज के बारे में बताया कि मानव समाज में विज्ञान और तकनीकी की शुरूआत तो यद्यपि धीरे-धीरे हुई, पर निरंतर नए अविष्कारों और अनुसंधानों के विकास की गति तीव्रतर हो गई । इस तकनीकी विकास यात्रा को हम प्रख्यात वैज्ञानिक के विचारों से कुछ अधिक स्पष्ट रूप से समझ

सकते हैं- यदि हम आदिमानव काल से आज तक के लगभग 50,000 वर्षों के कालखण्ड को कोई 800 मानव जीवनियों में बाँटे (यानि एक मानव जीवनी 62.5 वर्ष की हुई) तो इनमें से पहली 650 जीवनियाँ तो मानव ने गुफाओं में बिताई । लेखन कला जैसी संस्कृति के लिए आवश्यक कला का प्रयोग वह केवल पिछली 70 जीवनियों में करता आ रहा है और मुद्रण कला तो पिछली 6-7 जीवनियों से ही जिस बिजली पर हमारा आधुनिक जीवन इतना निर्भर है उसका प्रयोग तो पिछली दो जीवनियों का ही है और अंतरिक्ष तकनीक सूचना एंव कंप्यूटर की तकनीक तो पिछली एक जीवनी से भी कम समय से प्रयुक्त हो रही है । निश्चय ही तकनीकी विकास की इस तीव्र गति का प्रभाव हमारे जीवन स्तर पर जीवन पद्धति पर एवं सामाजिक माहौल पर पड़े बिना नहीं रहता । समाज में विज्ञान द्वारा प्रदत्त नए तकनीकी उपागमों में सही का चयन और चयन के साथ ही इनका उचित उपयोग करने के संदर्भ में भ्रम की स्थिति अक्सर रहती है ।

अठ्ठारहवीं सदी में औद्योगिक क्रान्ति के बाद से विज्ञान आधारित तकनीकी विकास ने मानव जीवन के विकास की गति को उसके जीवन स्तर को और बढ़ा दिया है । आधुनिक तकनीक ने आज खाद्य उत्पादन को बढ़ा दिया है, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार कर दिया है, अधिक आरामदेह जीवन स्तर का विकास कर दिया है और आपसी संचार को विकसित कर दिया है । पर ये सभी विकास के नए प्रतिमान किन मूल्यों पर विकसित हुए है, ये विचारना आवश्यक है । कहीं ये मूल्य हमारे दैनिक जीवन में घटते पर्यावरणीय स्तर और मानवीय मूल्यों में गिरावट से सम्बद्ध तो नहीं हैं, यह एक गंभीर प्रश्न है ।

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज में जुनियर डॉक्टरों ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

महिला उद्योगपति से जमीन के सौदे में 3 करोड़ की धोखाधड़ी

भोपाल। बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में जमीन के सौदे में महिला उद्योगपति से करीब तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हुई है। 70 वर्षीय कुमुद तिवारी परिधि इंटरप्राइजेस कंपनी चलाती हैं। वे अयोध्या बायपास स्थित अभिनव होम्स में रहती हैं। वर्ष 2023 में उनकी मुलाकात प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के जरिए रेडिएशन इंडस्ट्रीज कंपनी के संचालक योगेश पटेरिया से हुई थी। योगेश के पास बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में 15 हजार वर्गफीट जमीन है। कुमुद ने यह जमीन एक करोड़ 90 लाख रुपये में खरीदने का सौदा किया। उन्होंने 71 लाख रुपये एडवांस दिए। बाकी राशि छह महीने में किश्तों में दी। जमीन पर निर्माण कार्य भी शुरू करवा दिया। इसमें दो करोड़ रुपये खर्च किए। कुल मिलाकर कुमुद ने तीन करोड़ रुपये लगाए। तय समय पर जब रजिस्ट्री की बात आई तो योगेश ने जमीन बेचने से इनकार कर दिया। कुमुद ने कटारा हिल्स थाने में शिकायत की। जांच में सामने आया कि अनुबंध पत्र पर योगेश के ही हस्ताक्षर हैं। पहले योगेश ने इन्हें फर्जी बताया था। शुक्रवार को पुलिस ने योगेश पटेरिया के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया।

लोक अदालत में 60 खंडपीठ में 1,63,428 मामलों का निराकरण किया जाएगा

भोपाल। राजधानी की जिला अदालत में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार नेशनल लोक अदालत में 60 खंडपीठ गठित की गई हैं। इसमें 1,63,428 मामले निराकरण के लिए रखे गए हैं।

प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत की छूट- विद्युत से संबंधित प्रकरणों में ऊर्जा विभाग के निर्देशानुसार आंकलित सिविल दायित्व की राशि 10 लाख रुपए तक की छूट है। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों पर 30 प्रतिशत एवं लिटिगेशन प्रकरणों पर 20 प्रतिशत छूट है। साथ ही आंकलित सिविल दायित्व की राशि पर 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले चक्रवृद्धि ब्याज में 100 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

नगर निगम भी लोक अदालत में छूट प्रदान कर रहा- सुनीत अग्रवाल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि नेशनल लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने से संपूर्ण कोर्ट फीस वापसी होती है। साथ ही पक्षकारों के मध्य आपसी सहमति से सौहार्दपूर्ण वातावरण में प्रकरण का निराकरण होने से समय व धन की बचत भी होती है। नगर निगम से जुड़े प्रकरणों में भी लोक अदालत छूट दे रही है।

शिव मंदिर के सामने शराब दुकान हटवाने बजरंगदल ने दिया ज्ञापन

संत हिरदाराम नगर। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के एक प्रतिनिधि मण्डल ने धार्मिक स्थान शिव मंदिर के सामने शराब की दुकान खोले जाने के विरोध में एसीपी बैरागढ़ एवं थाना खजूरी को ज्ञापन दिया। बजरंगदल के जीतू कटारिया ने कहा कि खजूरी थाना अंतर्गत मुख्य मार्ग सीहोर रोड़ पर आकाश गार्डन के आगे एक नई शराब की दुकान खुली है, जिसके सामने एक शिव मंदिर स्थित है, शासकीय नियम अनुसार किसी भी धार्मिक स्थान से 100 मीटर की दूरी का नियम है परंतु फिर भी शराब व्यापारियों ने उक्त मंदिर के सामने शराब की दुकान खोली है एवं 100 मीटर के दायरे में निरंकारी मंडल का सत्संग भवन भी है जहां बड़ी संख्या में भक्त सत्संग के लिए आते है। इन धार्मिक स्थानों के आसपास में शराब की दुकान होने से हिंदू जन की भावनाओं को ठेस पहुंच रही है, मंदिर सनातन की धार्मिक आस्था का प्रतीक है, समाज के कई लोगों ने अपील विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल से की है और बजरंग दल ने स्वयं धार्मिक स्थल के अपमान को देखते हुए। इस संबंध में एसीपी एवं संबंधित थाना को आवेदन दिया है। यदि इसे हटाने की कार्रवाई नहीं की गई तो भोपाल कलेक्टर और संबंधित एसडीएम को भी ज्ञापन देकर इस शराब दुकान को मंदिर के सामने से हटाए जाने की मांग की जाएगी।

महिला मोर्चा आज करेगा सिंदूर खेला का आयोजन

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला भोपाल द्वारा 10 मई को शाम 5 बजे न्यू मार्केट स्थित टॉप एंड टाउन पर ऑपरेशन ''सिंदूर'' की सफलता पर सिंदूर खेला (सिंदूर विथ सेल्फी) का आयोजन करेगा। इस दौरान मोर्चा पदाधिकारी, कार्यकर्ता सहित आमजन उपस्थित रहेंगे।

खनिज साधन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 10 हजार 290 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में खनिज साधन विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 में अनेक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। विभाग द्वारा 10 हजार 290 करोड़ से अधिक का राजस्व प्राप्त किया गया है, जो अभी तक प्राप्त खनिज राजस्व में सबसे अधिक है। मध्यप्रदेश खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। खनिज साधन विभाग द्वारा खनिजों की खोज के लिये पूर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश में 76 क्षेत्रों पर खनिजों की खोज एवं भण्डारण प्रमाणन के लिये अन्वेषण कार्य किया जा रहा है। मध्यप्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में इस क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। इन क्षेत्रों में से 30 क्षेत्रों में स्ट्रेटेजिक एवं क्रिटिकल मिनरल्स में रॉक-फास्फेट, ग्रेफाइट, ग्लूकोनाइट, प्लेटिनम और दुर्लभ धातु के अन्वेषण का कार्य किया जा रहा है। अन्वेषण के बाद खनिज भण्डारण प्रमाणित होने पर इन क्षेत्रों को नीलामी में रखा जायेगा। खनिज साधन विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 में 31 मुख्य खनिज ब्लॉक सफलतापूर्वक नीलाम किये गये, जो कि पूर्व में किसी वित्तीय वर्ष में किये गये खनिज ब्लॉक की नीलामी से सर्वाधिक हैं। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2015 में किये गये नीलामी प्रावधान के बाद प्रदेश में 100 खनिज ब्लॉकों की नीलामी की गयी। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। भारत सरकार द्वारा जनवरी-2025 में आयोजित स्टेट माइनिंग मिनिस्टर कॉन्फ्रेंस में वित्तीय वर्ष 2023-24 में खनिज ब्लॉकों की नीलामी में अनुकरणीय कार्य किये जाने के लिये खनिज साधन विभाग को द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। माइनिंग कॉन्क्लेव-2024 भोपाल में विभाग द्वारा खनिज आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित करने एवं खनन क्षेत्र में उपयोगी नवीन तकनीक को साझा करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर की माइनिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस कॉन्क्लेव में खनन क्षेत्र की 33 कम्पनियों तथा 1500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। खनिज साधन विभाग द्वारा रेत खदानों का निवर्तन के अंतर्गत ई-निविदा सह नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में 38 रेत समूहों के संचालन के लिये माइन डेवलपर एवं ऑपरेटर का चयन किया गया। मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम द्वारा 728 रेत खदानों के संचालन के लिये आवश्यक वैधानिक अनुमतियाँ प्राप्त की गयीं।

जागेश्वरनाथ धाम कॉरीडोर बनने से मंदिर क्षेत्र की बढ़ेगी भव्यता: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने बांदकपुर में रखी देवश्री जागेश्वरनाथ लोक की आधारशिला

बुंदेलखंड के किसानों की जिंदगी बदलेगी केन-बेतबा नदी जोड़ो परियोजना से

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दमोह जिले के जागेश्वरनाथ मंदिर के नवनिर्माण का आज हम संकल्प ले रहे है। आज भगवान देवश्री जागेश्वरनाथ का अभिषेक देश की पवित्र नदियों के जल और पवित्र धार्मिक स्थलों की मिट्टी से शिवलिंग का पूजन हुआ है। देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कॉरिडोर से भगवान श्री जागेश्वरनाथ मंदिर की भव्यता बढ़ेगी। मंदिर के कॉरिडोर बनने से मंदिर सहित क्षेत्र की भव्यता बढेगी, सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दमोह जिले के सुप्रसिद्ध देवश्री जागेश्वरनाथ मंदिर में 10 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रथम चरण के कॉरिडोर के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वैश्विक नेता हैं। उनके नेतृत्व में बनारस में बाबा विश्वनाथ का धाम भव्य रूप ले चुका है। अयोध्या में भी भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना है। सनातन संस्कृति में 7 प्रमुख नगरियां हैं। जब अयोध्या का फैसला आया तो यह लोकतंत्र के गौरव का अवसर था, जिसका सभी धर्म के लोगों ने मिलकर स्वागत किया और एकजुटता दिखाई थी। इसी प्रकार आज जब सेना शौर्य दिखा रही है, तब भी देश एकजुट है। यही भारतीय लोकतंत्र की ताकत है, जिसे देखकर दुनिया अचंभित है। कार्यक्रम में पहलगाम आतंकी हमले के शिकार पर्यटकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे धार्मिक पर्यटन केन्द्र युवाओं के लिए रोजगार के केन्द्र बनकर उभरेंगे। यहां आध्यात्म के साथ, शैक्षणिक और रोजगार मूलक गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। इन कार्यों के लिए राज्य सरकार बजट की कोई कमी नहीं आने देगी। प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन के लिए अभियान चल रहा है। बुंदेलखंड के किसानों की स्थिति बेहतर करने और पेयजल संकट को दूर करने के लिए केन्द्र सरकार के सहयोग से केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2025 को उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मना रही है। मंदसौर में 3 मई को किसानों के लिए हुए कृषि मेले के ऐतिहासिक और सफल आयोजन के बाद अब 26 मई को नरसिंहपुर में कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। यहां खेती के आधुनिक उपकरण और खाद्य प्र-संस्करण की इकाइयों की जानकारी किसानों को मिलेगी। दमोह एवं निकटवर्ती जिलों के किसान बंधु भी नरसिंहपुर के कृषि मेले में आमंत्रित हैं। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है।

अब घर-घर गाय होंगी और हर घर गोकुल होगा। प्रदेश के हर ब्लॉक में एक गांव को आदर्श वृंदावन ग्राम बनाने का संकल्प लिया गया है। भगवान श्रीकृष्ण के आदर्श और ज्ञान का प्रकाश चहुंओर फैलाने के लिए राज्य सरकार ने प्रत्येक नगरीय निकाय में गीता भवन के निर्माण का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गूगल पर सबसे ज्यादा पढ़ा जाने वाला ग्रंथ पवित्र गीता है। निश्चित ही गीता एक अद्वितीय ग्रंथ है। पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जागेश्वर धाम धार्मिक आस्था का केन्द्र है। कॉरिडोर की सौगात से क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। लगभग 10 करोड़ की लागत से बनने वाले कॉरीडोर की नींव आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रखी है।

राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के तबादले

भोपाल। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच कार्मिक विभाग ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के नौ अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इसके अलावा सीमावर्ती जिलों में तबादलों और नियुक्तियों पर लगी रोक को भी तुरंत हटाने का फैसला लिया है।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने गुरूवार देर रात को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। राज्य सरकार ने 9 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने आदेश जारी कर दिए है।

इसमें आरएएस मनोज कुमार मीणा को एसडीएम घड़साना, महेश चंद्र मान को एसडीएम भणियाणा (जैसलमेर), प्रभजोत सिंह गिल को एसडीएम मूंडवा, लाखाराम को एसडीएम पोकरण, संदीप चौधरी को स्छरू बज्जू (बीकानेर), कुणाल राहड़ को स्छरू बीकानेर उत्तर, भरतराज गुर्जर को एसडीएमफतेहगढ़, कविता गोदारा को सहायक कलेक्टर सीकर, रामलाल मीणा को स्छरूगडरा रोड (बाड़मेर) लगाया गया है।

सीमावर्ती जिलों में तबादलों पर लगी रोक हटी: जानकारी के मुताबिक, भारत पाक तनावपूर्ण हालातों के बीच राजस्थान सरकार ने सीमावर्ती जिलों में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक हटा दी गई है। प्रशासनिक सुधार विभाग ने गुरुवार देर रात आदेश जारी करते हुए बाड़मेर, जैसलमेर, श्रीगंगानगर, बीकानेर और जोधपुर जिलों में राजकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के तबादलों पर लगी रोक को हटा दी है। इस फैसले के तहत अब इन संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार तबादले किए जा सकेंगे। यह आदेश राज्य के सभी निगमों, मंडलों, बोर्डों और स्वायत्तशासी संस्थाओं पर भी समान रूप से लागू होगा।

बता दे कि 15 जनवरी 2023 को प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा इन जिलों में तबादलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया था लेकिन वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ने इस प्रतिबंध में ढील देने का निर्णय लिया है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रतिभा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में प्रतिभा 2025 के अंतर्गत आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया । गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी, विशेष अतिथि प्रकाश हिंदुस्तानी उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी द्वारा की गई। क्षेत्रीय विधायक भगवानदास सबनानी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आने तक सड़क एवं आवागमन की समस्या देखने को मिली है । उन्होंने कहा कि बरसात से पहले समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।उन्होंने कहा कि परिसर में हॉस्टल भी है और बच्चे आसपास भी रहते हैं। सबनानी ने कहा कि 100 इलेक्ट्रिक बसें जल्द ही शुरु होने जा रही है। बच्चों को आवागमन में दिक्कत न हो इसलिए दो से तीन बसें इस क्षेत्र से होकर गुजरेंगी। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि लिखने में कभी समझौता मत कीजिएगा। लिखने की धार बनाए रखना। उन्होंने आने वाले समय में वृक्षारोपण भी करने की बात कही ।

बिशनखेड़ी में सुरक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि अब पुलिस पेट्रोलियम भी यहां होगी, ताकि महिलाएं बहनें अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें। उन्होंने समस्याओं पर कि विधायक निधि तक से समस्या का समाधान करना पड़े तो वे करेंगे । वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि पत्रकारिता में इस बात का महत्व है कि कब नहीं बोलना है और क्या नहीं बोलना है । उन्होंने छात्रों से कहा कि यदि कभी किसी का इंटरव्यू लेना हो तो यह कभी मत पूछना कि आपको कैसा लग रहा है ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी। साथ ही उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय इस साल से सिंधी भाषा में पीजी डिप्लोमा शुरु करने जा रहा है। उन्होंने इसके लिए विशेष तौर पर डायरेक्टर रवि टेकचंदानी का आभार व्यक्त किया।

मप्र बीजेपी की वेबसाइट हैक, वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान अल मरसूर के नाम का जिक्र

भोपाल। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच अज्ञात हैकर्स ने बीजेपी मध्यप्रदेश की वेबसाइट हैक कर ली, जिसमें ऑपरेशन बुनयान अल मरसूर और पाकिस्तान समर्थित संदेश दिखे। हमले के तुरंत बाद वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान अल मरसूर और यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स जैसे संदेश दिखाई दिए, जिससे इस साइबर अटैक के पीछे पाकिस्तान समर्थित तत्वों की आशंका जताई जा रही है।

हैक की गई वेबसाइट पर ऑपरेशन बुनयान अल मरसूर नाम प्रमुखता से उभरा, जिसका अनुवाद अरबी में शीशे की मजबूत दीवार होता है। यह नाम पहले भी पाकिस्तान की ओर से जारी बयानों में सुना जा चुका है, जिससे इस हमले के पीछे किसी संगठित साइबर समूह की भूमिका मानी जा रही है। बीजेपी की आईटी टीम को जैसे ही इस हैकिंग की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत वेबसाइट को पुनर्स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल के अनुसार, साइट कुछ ही समय में करीब 15 से 20 मिनट के भीतर रिस्टोर कर ली गई। फिलहाल वेबसाइट खोलने पर 'Error 404' दिखाई दे रहा है। सूत्रों के मुताबिक, हैकर्स ने बीजेपी की राष्ट्रीय वेबसाइट (www.bjp.org) को भी निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि पार्टी की तरफ से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

2019 में भी हो चुकी है ऐसी घटना: गौरतलब है कि इससे पहले मार्च 2019 में भी बीजेपी की आधिकारिक वेबसाइट हैक की गई थी। उस समय वेबसाइट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा एक मीम और आपत्तिजनक भाषा का उपयोग किया गया था। बाद में साइट को डाउन कर दिया गया था और एरर मैसेज दिखने लगा था।

ग्रीन एनर्जी पर ध्यान दें अन्यथा बच्चों को बैग की जगह ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना पड़ेगा: ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री ने चौथे नेशनल सस्टेनेबल एनर्जी एनोवेशन कॉन्क्लेव का किया शुभारंभ

भोपाल। हम सबका का कर्तव्य है कि भावी पीढ़ी की सुरक्षा और उनको सुरक्षित वातावरण देने के लिये क्लीन एनर्जी - ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करें। अगर इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो बच्चों को स्कूल बैग की जगह ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना पड़ेगा। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह विचार भोपाल में आयोजित चौथे नेशनल सस्टेनेबल एनर्जी एनोवेशन कॉन्क्लेव में व्यक्त किये। मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह कॉन्क्लेव न केवल ऊर्जा क्षेत्र के नवाचारों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि एक स्थायी और सुरक्षित भविष्य की दिशा में हमारे प्रयासों को नई गति देगा।

मंत्री श्री तोमर ने कहा कि यह कॉन्क्लेव ऊर्जा के समाधान पर विचार विमर्श के लिये एक अच्छा अवसर है। बढ़ती ऊर्जा मांग और जलवायु चुनौतियों के बीच ऐसे प्रयास सुरक्षित भविष्य के लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऊर्जा सशक्तिकरण के लिये तकनीकी नवाचार को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि कॉन्क्लेव में निकलने वाले निष्कर्षों का क्रियान्वयन हर स्तर पर होना चाहिए, तभी यह सार्थक होगा।ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आज के डिजिटल युग में जैसे-जैसे ऊर्जा प्रणालियां डिजिटल हो रही हैं, वैसे-वैसे इनकी साइबर सुरक्षा भी जरूरी हो गयी है। कॉन्क्लेव में ऊर्जा क्षेत्र में साइबर

सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार करना जरूरी है। ऊर्जा मंत्री ने इस दौरान लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला ने कहा कि नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश उत्तरोत्तर विकास कर रहा है। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर स्थापित किये गये फ्लोटिंग सोलर प्लांट सहित रीवा और नीमच में वृहद स्तर के सोलर प्लांट बनाये गये हैं। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किये जा रहे हैं। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने भी विचार व्यक्त किये। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई ने कहा कि यह कॉन्क्लेव एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने के लिये महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि जो नवाचार जनहित के हैं, उन्हें स्वीकार करने और नई टेक्नोलॉजी से कैसे लाभ प्राप्त किया जाये, इस पर गहन विमर्श होना चाहिए।केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा श्री सुदीप जैन ने कहा कि भारत हमेशा सस्टेनेबिलिटी पर जोर देता है। नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत ग्लोबल लीडर है। श्री जैन ने कहा कि वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि हर घर की छत पर सोलर पैनल होना चाहिए। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिये पीएम सूर्य घर योजना शुरू की गई है। पवन ऊर्जा के क्षेत्र में भी हम अग्रणी हैं। लगभग 18 गीगावॉट इसका उत्पादन हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में सोलर पॉवर के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं। सबसे बड़े सोलर एवं सोलर फ्लोटिंग प्लांट मध्यप्रदेश में स्थापित किये गये हैं। एमडी पॉवर मैनेजमेंट कंपनी अविनाश लवानिया ने कॉन्क्लेव के उद्देश्यों की जानकारी दी।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बोले- देश में खाद्यान्न की कमी नहीं

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच देश की खाद्य सुरक्षा पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बड़ा बयान दिया हैं। भरोसा जताते हुए कहा कि देश में किसी भी अनाज की कोई कमी नहीं है। भोपाल में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सीमा पर जवान तैनात हैं और खेतों में किसान पूरी तैयारी के साथ जुटे हुए हैं। उन्होंने जय जवान, जय किसान के नारे को याद दिलाया। इसे वैज्ञानिक व अनुसंधान के साथ जोड़ते हुए कहा कि देश हर मोर्चे पर देश मजबूत है।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा गेहूं, चावल और दाल का बफर स्टॉक पूरी तरह भरा हुआ है और जनता को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि भारत आत्मनिर्भर हो चुका है और किसी भी संकट या चुनौती का सामना करने में सक्षम है। यह बयान ऐसे समय पर आया है जब भारत-पाक सीमा पर सैन्य गतिविधियां बढ़ी हुई हैं।

जय जवान, जय किसान से जय अनुसंधान तक की सोच

शिवराज सिंह चौहान ने लाल बहादुर शास्त्री द्वारा दिए गए नारे जय जवान, जय किसान को याद किया। उन्होंने बताया कि कैसे अटल बिहारी वाजपेयी ने इसमें जय विज्ञान जोड़ा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय अनुसंधान के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में प्रेरित किया।

किसान और जवान दोनों मोर्चों पर तैयार

शिवराज ने यह स्पष्ट किया कि सीमा पर जवान तैयार हैं और खेतों में किसान। यह वक्त है जब देश के दोनों स्तंभ पूरी तरह सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है और आज उसका नतीजा है कि देश खाद्यान्न में आत्मनिर्भर है।

फसल / श्रेणी उत्पादन लाख मीट्रिक टन

चावल-3474.42
गेहूं -1464.02
दलहन -1154 (अनुमानित)
तिलहन- 250.97
बागवानी फसलें -428.98

मुख्य सब्जियों का कुल उत्पादन 3621

आलू	595
प्याज	288
टमाटर	215

पर्याप्त भंडारण और बफर स्टॉक की जानकारी

चौहान ने बताया कि स्वष्ट्ठ और अन्य सरकारी एजेंसियों के गोदामों में गेहूं, चावल और दालों का बफर स्टॉक भरा हुआ है। भंडारण की स्थिति इतनी मजबूत है कि किसी भी आपात स्थिति में आम जनता को कोई परेशानी नहीं होगी।

भारत की खाद्य सुरक्षा नीति की सफलता

कृषि मंत्री ने कहा वैश्विक संकट के समय भी भारत ने न केवल अपने नागरिकों को भोजन उपलब्ध कराया बल्कि कई देशों को भी मदद की। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम बताया।

आत्मविश्वास और संयम का संदेश

शिवराज ने यह भी कहा कि भारत युद्ध नहीं चाहता, लेकिन यदि मजबूरी आई तो जवान, किसान और वैज्ञानिक- तीनों तैयार हैं। यह वक्त संयम और आत्मविश्वास से काम लेने का है, और भारत पूरी तरह से सजग और सक्षम है।

संपादकीय

वाह, देश के जांबाजों, आतंक को मिट्टी में मिलाया

वाह, देश के जांबाज सैनिकों! क्या निशाना था, क्या लक्ष्य चिह्नित किए गए और मात्र 25 मिनट के ऑपरेशन में ही उन अड्डों, मुख्यालयों, मस्जिदों और मदरसों को मिट्टी और मलबा कर दिया, जहां आतंकी पनाह लेते थे। वे पाप, हिंसा और गुनाह के 'हरम' थे। पहलगाम नरसंहार में यहीं के आतंकियों ने हमारी बहू-बेटियों के 'सिंदूर' मिटा दिए थे। एक ही प्रतिघात में 35 साल पुराने प्रतिशोध भी ले लिए गए। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम दिया था। उनका यह कथन भी सार्थक साबित हुआ कि आतंकियों की बची-खुची जमीन को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। हमारी सेनाओं ने 6-7 मई की दरमियानी रात में 1.05 बजे से 1.30 बजे के मात्र 25 मिनट के समय में आतंकियों के 9 अड्डे मिट्टी में मिला दिए और 100 से अधिक आतंकियों को ढेर कर दिया। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन आतंकी संगठनों के मुख्यालयों को भी नेस्तनाबूद कर दिया। जैश के सरगना मसूद अजहर की टिप्पणी ही हमारे हमलों की आक्रामकता की पुष्टि करती है-काश! मैं भी मर जाता, तो अच्छा होता।' ऑपरेशन में उसकी पत्नी, बेटे, बहन-बहनोई, भांजा-भांजी, भांजे की बीवी, भतीजा आदि खानदान के 10 लोगों को भी 'मिट्टी' होना पड़ा। सरगना के करीबी 4 लोग भी मारे गए। पहलगाम में आतंकियों ने भारत की बेटियों को कहा था-तुम्हें नहीं मारेंगे। जाओ और मोदी को बता दो।' मोदी को तो खुद एहसास था कि 'सिंदूर' मिटाया गया है, लिहाजा उनके आदेश पर सेनाओं ने साझा ऑपरेशन तय कर, सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, रात के अंधेरे में 24 मिसाइलें दाग कर आतंकियों के बिल बिखेर दिए, लेकिन पाकिस्तान की हुकूमत और फौज को भनक तक नहीं लगी। पाकिस्तान का 'डिफेंस सिस्टम' सोया ही रहा। यह फौज किस आधार पर परमाणु हथियार के इस्तेमाल के दंभ भरती रही है? वाह सैनिको! तुम्हें देश का सलाम, नमन और साधुवाद! देश के लिए यह गौरव और गर्व का दिन है। हालांकि 21 आतंकी ठिकाने चिह्नित किए गए थे। अर्थात 12 आतंकी बिल अभी शेष हैं।

हम अफसोस कर रहे हैं कि हाफिज सईद, मसूद अजहर, सलाहुद्दीन सरीखे आतंकी सरगनाओं को जिंदा क्यों छोड़ा गया? शायद अब वे देखेंगे कि अपनों की मौत कितनी भयावह और पीड़ादायक होती है! बहरहाल अभी तो भारत की सेनाओं ने आतंकवाद का प्रथम चरण ही 'मिट्टी' किया है। आरंभ है प्रचंड, पाकिस्तान होगा खंड-खंड! आतंक के बिलों में अब भी 'सपोले' जिंदा हैं। उन्हें भी कुचलना है। अभी तो पाकिस्तान की प्रतिक्रिया, उसका संभावित पलटवार, शेष है।

मां धरती पर विधाता की प्रतिनिधि यानी देवतुल्य है

ललित गर्ग

'मदर्स डे' या मातृ दिवस एक ऐसा महत्वपूर्ण एवं संवेदनात्मक दिन है जो हमें अपनी माताओं के प्यार और बलिदान के लिए धन्यवाद देने और उन्हें सम्मान देने का अवसर देता है। जननी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का तथा मातृशक्ति की अभिवंदना का यह एक स्वर्णिम अवसर है। माँ की महिमा को उजागर करने का ऐतिहासिक दिन है। सेवा और समर्पण की साक्षात् प्रतिमूर्ति मातृ-शक्ति ने केवल अपनी संतान को ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र को सृजनात्मक एवं रचनात्मक दिशाएँ दी हैं। अपने त्याग और बलिदान से परिवार, समाज और राष्ट्र की अस्मिता को बचाने का हर संभव प्रयत्न किया है। यहाँ तक कि परिवार संस्था की आधारभित्ति भी मातृ-शक्ति के इर्द-गिर्द ही टिकी हुई है। माँ एक चलता-फिरता चमत्कार है। माँ के प्रभाव से अधिक शक्तिशाली कोई प्रभाव नहीं है।

मातृ दिवस मनाने की अनेक विचारधाराएं एवं मान्यताएं हैं। विश्व के विभिन्न भागों में यह अलग-अलग दिन मनाया जाता है। मदर्ड डे का इतिहास करीब 400 वर्ष पुराना है। प्राचीन ग्रीक और रोमन इतिहास में मदर्स डे मनाने का उल्लेख है। 16वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने 8 मई, 1914 को लिया। कुछ लोगों का मानना है कि मदर्स डे कि शुरूआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरूआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। एक मां का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक मां के बिना ये दुनियां अधूरी है। मदर्स डे सामान्य रूप से माताओं, मातृत्व और मातृ संबंधों को मान्यता देता है, साथ ही उनके परिवारों और समाज में उनके सकारात्मक योगदान को भी दर्शाता है।

मदर्स डे, उन उल्लेखनीय महिलाओं का सम्मान करने का एक हार्दिक उत्सव है जो हमारे जीवन को प्यार, ज्ञान और असीम शक्ति से भर देती हैं। माँ का प्यार किसी भी ताजे फूल से अधिक सुंदर है। एक माँ की खुशी एक प्रकाश स्तंभ की तरह होती है, एक प्रकाशगृह यानी लाइट हाउस, जो भविष्य को रोशन करती है लेकिन प्यारी यादों के रूप में अतीत पर भी प्रतिबिंबित होती है। एक माँ शक्ति और गरिमा से सुसज्जित होती है, भविष्य के बारे में बिना किसी डर के हँसती है। प्रख्यात वैज्ञानिक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा है कि जब मैं पैदा हुआ, इस दुनिया में आया, वो मेरे जीवन का एकमात्र ऐसा दिन था जब मैं रो रहा था और मेरी मां के चेहरे पर एक सन्तोषजनक मुस्कान थी।' एक माँ हमारी भावनाओं के साथ कितनी खूबी से जुड़ी होती है, ये समझाने के लिए उपरोक्त पंक्तियां अपने आप में सम्पूर्ण हैं। मां का त्याग, बलिदान, ममत्व एवं समर्पण अपनी संतान के लिये इतना विराट है कि पूरी जिंदगी भी समर्पित कर दी जाए तो मां के ऋण से उऋण नहीं हुआ जा सकता है। मां के साथ बिताये दिन सभी के मन में आजीवन सुखद व मधुर स्मृति के रूप में सुरक्षित रहते हैं। इसीलिये एच. डब्ल्यू. बीचर ने कहा कि मां का हृदय बच्चे की पाठशाला है।'

भारतीय संस्कृति में मां का स्थान सर्वोपरि माना गया है। मां को देवतुल्य माना गया है। इसीलिये 'मातृ देवो भवः' यह सूक्त भारतीय संस्कृति का परिचय-पत्र है। ऋषि-महर्षियों की तपः पूत साधना से अभिसिंचित इस धरती के जर्रे-जर्रे में गुरु, अतिथि आदि की तरह माँ भी देवरूप में प्रतिष्ठित रही है। महर्षि वाल्मीकी की यह पंक्ति- 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' जन-जन के मुख से उच्चारित है। प्रारंभ से ही यहाँ 'मातृशक्ति' की पूजा होती आई है। वैदिक परंपरा दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी के रूप में, बौद्ध अनुयायी चिरंतन शक्ति प्रज्ञा के रूप में और जैन धर्म में श्रुतदेवी और शासनदेवी के रूप में माँ की आराधना होती है। लोक मान्यता के अनुसार मातृ वंदना से व्यक्ति को आयु, यश, स्वर्ग, कीर्ति, पुण्य, बल, लक्ष्मी पशुधन, सुख, धन-धान्य आदि प्राप्त होता है। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता इसलिए उसने माँ को बनाया।

एक माँ हमारे जीवन की हर छोटी बड़ी जरूरतों का ध्यान रखने वाली और उन्हें पूरा करने वाली देवदूत होती है। कहने को वह इंसान होती है, लेकिन भगवान से कम नहीं होती। वह ही मन्दिर है, वह ही पूजा है और वह ही तीर्थ है। तभी ई. लेगोव ने कहा है कि इस धरती पर मां ही ऐसी देवी है जिसका कोई नास्तिक नहीं। यही कारण है कि समूची दुनिया में मां से बढ़कर कोई इंसानी रिश्ता नहीं है। वह सम्पूर्ण गुणों से युक्त है, गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान है। उसका आशीर्वाद वरदान है। जरा कभी मां के पास बैठो, उसकी सुनो, उसको देखो, उसकी बात मानो। उसका आशीर्वाद लेकर, उसके दर्शन करके निकलो। फिर देखो, जो चाहोगे मिलेगा- सुख, शांति, शोहरत और कामयाबी। ध्यान रहे, मां का दिल दुखाने का मतलब ईश्वर का अपमान है। संसार महान् व्यक्तियों के बिना रह सकता है, लेकिन मां के बिना रहना एक अभिशाप की तरह है। इसलिये संसार मां का महिमामंडन करता है, उसके गुणगान करता है। मां शब्द में संपूर्ण सृष्टि का बोध होता है। मां के शब्द में वह आत्मीयता एवं मिठास छिपी हुई होती है, जो अन्य किन्हीं शब्दों में नहीं होती। मां नाम है संवेदना, भावना और अहसास का। मां के आगे सभी रिश्ते बौने पड़ जाते हैं। समाज में मां के ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है, जिन्होंने अकेले ही अपने बच्चों की जिम्मेदारी निभाई। मां रूपी सूरज चरेवैति-चरेवैति का आह्वान है। उसी से तेजस्विता एवं व्यक्तित्व की आभा निखरती है। उसका ताप मन की उम्मीदों को कभी जंग नहीं लगने देता। उसका हर संकल्प मुकाम का अन्तिम चरण होता है। मां को धरती पर विधाता की प्रतिनिधि कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी।

किंतु वर्तमान परिवेश को देखते हुए यह सवाल अवश्य खड़ा होता है कि क्या आज की माँ जननी की भूमिका का सम्यक् निर्वहन कर रही है? अथवा क्या वे समाजशास्त्रियों के इस अभिमत पर प्रश्नचिन्ह नहीं लगा रही कि बच्चा नागरिकता का पहला पाठ माँ की वात्सल्यमयी गोद में सीखता है। जबकि वस्तुस्थिति तो यह है कि माँ की गोद उसे नसीब होती कहाँ है? कुक्षि से बाहर आते ही उसे अलग पालने में सुला दिया जाता है। सोता है तो दूध की बोतल उसके मुँह से लगा दी जाती है। उसका लालप-पालन या देखरेख नर्स या आया के द्वारा होती है अथवा डे केयर सेंटर, बेबी केयर सेंटर में भेजकर कर्तव्यपूर्णता का लेबल लगा दिया जाता है। दो-ढाई वर्ष का होते ही नर्सरी में कम्प्यूटर द्वारा उसे अक्षर-बोध प्राप्त होता है। कुछ बड़ा होते ही उसे होस्टल में प्रविष्टि दिला दी जाती है। कितनी आधुनिक माताएँ तो ऐसी हैं जिन्हें अपने बच्चों से संवाद स्थापित करने का क्षण भी उपलब्ध नहीं होता। करें भी कैसे ? उन्हें अपने निजी कार्यक्रमों से ही फुर्सत नहीं है। तब भला वह कैसे उन्हें बात-बात में तत्त्वबोध दें? कब मीठी-मीठी प्रेरक लोरियाँ सुनाकर संस्कारों की सौगात सौंपे? किस माध्यम से पारिवारिक, सामाजिक मान-मर्यादाओं की अवगति दें? कैसे जीवन में धर्म की उपयोगिता का अहसास करवाएँ? तब फिर शून्यता के सिवा शेष हाथ भी क्या आएगा? मातृ दिवस मां की अस्मिता के धुंधलाने के कारणों की पडताल करने का भी अवसर है। कन्याभ्रूणों की हत्या एक ओर मनुष्य को नृशंस करार दे रही है, तो दूसरी ओर स्त्रियों की संख्या में भारी कमी मानविकी पर्यावरण में भारी असंतुलन उत्पन्न कर रही है।'' अन्तर्राष्ट्रीय मातृ-दिवस को मनाते हुए मातृ-महिमा पर छा रहे ऐसे अनेक धुंधलों को मिटाना जरूरी है, तभी इस दिवस की सार्थकता है।

वो वापस जा रहे थे अपनी ड्यूटी पर!

रूचि बागडदेव

बस अभी थोड़े दिन पहले की ही बात है ,वो मुझे एक ट्रैन में मिले थे ,यूनिफॉर्म पहने हुए थे ,हमारे सामने की सीट पर बैठे थे। उस सीट पर उनका रिजर्वेशन नहीं था इसलिए एक कॉर्नर से समझो टीके हुए थे। मैंने बच्चे को गोदी में लिया और अपनी सीट पर एक और व्यक्ति कम्फर्टेबल बैठ सके इतनी जगह बना दी। सामनेवाली सीट पर पसर कर बैठी आंटी और उनके परिवार ने राहत महसूस की थी लगा जैसे चलो समस्या मिटी। वो एक भारतीय सैनिक था दक्षिण भारत से जिन्हे हिंदी बोलने में थोड़ी दिक्कत थी ,सफर लंबा था हमें दिल्ली जाना था और उसे और आगे। बातचीत शुरू हुई पता चला वो छूटियों में अपने घर आये थे गाँव गए थे बस मुश्किल से पांच दिन हुए थे। शादी के लिए लड़की देखने जाना था , मेरे अंदर का जिज्ञासु लेखक सक्रीय हुआ 'ओह, फिर आपने लड़की पसंद कर ली ?'

उसके चेहरे की बची खुची रौनक भी जैसे छीन ली थी। चेहरा और उदास हो गया था। उसने गर्दन दूसरी तरफ घूमा ली फिर कुछ देर बाद कहा ÷नहीं लड़की तो बचपन में देखी हुई है ,पर अभी बड़ी होने पर नहीं देखी ,अम्मा ने देख ली थी बस मुझे उसके गाँव जाना था फ़ाइनल जवाब देने पर अभी वापस बुला लिया गया है। '

'अरे क्यों ?'वापस सिर्फ पांच दिन में, शादी कब होगी ?'

'शादी के लिए ही तो आया था ,लम्बी छुट्टी लेकर ,बस एक दो दिन में उसके गाँव जाना था देखने और जवाब दे आता। फिर शादी की तारीख निकाल लेते हम। ÷

वापस क्यों बुलाया गया आपको

'पता नहीं टेलीग्राम मिला और ईमेल भी। '

मुझे लगा जरूर कुछ होने वाला है ,पर देखिये उस युवक को उसने यह नहीं बताया की युद्ध की कोई संभावना ,संकट का समय है और सैनिको की छुट्टियां ख़त्म कर दी गई है। मैंने बातचीत का सिलसिला आगे बढ़ाया 'कब मिली आपको वापस बुलाने की सूचना ?'

रात में और मैं सुबह सात बजे गाँव से रेलवेस्टेशन पंहुच गया।

उस यात्रा में हमने साथ खाना खाया था और यह यात्रा आज एक बार फिर याद आई तो इसलिए सैनिकों की छुट्टी समाप्त कर दी गई थी ,युद्ध का खतरा मंडरा रहा था इसलिए। मैं नहीं जानती वो सैनिक इस वक्त कहाँ पोस्ट होगा ?

और वो लडकी ,वो इस समय क्या सोच रही होगी जिसने बचपन में उस लड़के को देखा था ,जो उससे रिश्ता पक्का करने आने वाला था ,नहीं हो पाया रिश्ता पक्का ,पर एक रिश्ता भावनाओं का ,जज्बातों का ,कल्पनाओं का एक अनकहा रिश्ता जो मन में कहीं जुड़ चुका है ,मन के रिश्ते दिखते नहीं है न पर बनते तो हैं ? क्या वह यह नहीं सोच रही होगी कि वह कहाँ होगा ,काश वो उससे बात करके उसको अपने मन की बात बता पाती।।

एक रिश्ता उस सैनिक से मेरा भी बन गया था एक ही ट्रेन में यात्रा करते हुए एक आत्मीय सहयात्री का , मैं इन दिनों उस मासूम से चेहरे को बार बार याद कर रही हूँ काश नंबर लिया होता , काश नाम पूछ लिया होता। फिर मन कहता हैं नाम नहीं उस भाई का काम सबसे महत्वपूर्ण है , ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ ,हे भगवान् मेरे उस सैनिक भाई की रक्षा करना, हो सके तो फिर किसी यात्रा में हम साथ हों ,अबकी मिले तो नाम पता सब ले लुंगी। पर यह सब तो एक अलग बात है।

लेकिन इस एक यात्रा का सन्देश यह देना चाहती हूँ जब भी किसी यात्रा में कोई सैनिक कहीं से चढ़े किसी भी वाहन में उन्हें सम्मान के भाव से देखिये ,बैठने की जगह दीजिये। कई बार वे दरवाजे के सामने वाली स्पेस में सो जाते हैं बैठे होते है ,खड़े खड़े यात्रा करते देखे जाते हैं ,हो सकता है वे बिना रिजर्वेशन चढ़े हों ट्रेन में , उन्हें सम्मान और अपनत्व दीजिये और कहिये आप हैं तो हम सुरक्षित हैं। यही वह वाक्य है जो उन्हें उन बर्फीली ठंडी ऊँची पहाड़ियों पर ऊर्जा से भर देती है। जो प्रहरी बनकर खड़ा है सीमा पर उसके साथ वहां तक पंहुचने के लिए कुछ देर अपनी रिजर्व सीट शेयर करनी पड़े तो कर लीजिये। वह वहां खड़ा रहेगा तो हम चैन की नींद अपने घरों में सो सकेंगे। क्या पता कोई अपने सपने छोड़ कर वापस जा रहा है तो कोई अपनी नयी नयी ब्याहता ,कोई अपने नवजात को ठीक से देख भी ना पाया हो और वापस जा रहा है या तो बीमार माँ -बाप को अस्पताल में भर्ती भी नहीं करवा पाया हो। आपकी गली ,मोह्हले में ऐसा घर हो जहाँ उस बेटे की जरूरत है तो साथ खड़े हो जाइये। हमारी सेना हमारी सुरक्षा कवच है। जय जवान सिर्फ नारा नहीं एक जज्बा है।एक भाव जिसके साथ आप उनके प्रति गर्व और सम्मान से भर जाय।

अहिंसा परमो धर्मः

राकेश शर्मा

अहिंसा परमो धर्मः, आधा श्लोक है पूरा श्लोक है ÷अहिंसा परमो धर्मः, धर्म हिंसा तथैव च ÷ अर्थात अहिंसा परम धर्म है लेकिन धर्म की रक्षा के लिए की गई हिंसा उससे भी ऊपर मानी गई है।

भारत और पाकिस्तान के बीच आजकल चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के लिए यह बिल्कुल सटीक बैठता है।

आजकल भारत - पाक के बीच चल रहे तनाव पर श्री कृष्ण लीला का एक और प्रसंग स्मरण आ रहा है।

शिशुपाल द्वारा श्रीकृष्ण को सौ गाली देने और फिर भी श्रीकृष्ण द्वारा उसे क्षमा किए जाने की कहानी, श्रीकृष्ण के दयालु स्वभाव और उनके शाप को दर्शाती है। श्रीकृष्ण ने शिशुपाल की माता को वचन दिया था कि वे शिशुपाल के 100 अपराधों को माफ कर देंगे। इसलिए, शिशुपाल को 100 गालियां देने के बाद भी, श्रीकृष्ण ने उसे माफ़ किया। लेकिन जब शिशुपाल ने 101वीं गाली दी, तो श्रीकृष्ण ने सुदर्शन चक्र से उसकी गर्दन काट दी।

कल रात्रि भारत ने पाकिस्तान की ना÷पाक÷ हरकतों से निपटने के लिए जिस सुदर्शन चक्र (स-400 एयर डिफेंस सिस्टम) का प्रयोग कर पाकिस्तान के लगभग 60 ड्रोन , मिसाइल और तीन लड़ाकू जहाज़ों को भारत में लक्ष्य पर पहुँचने से पहले ही नेस्तनाबूद कर श्री कृष्ण के सुदर्शन चक्र की याद अनायास ही दिला दी।

इस कथा का संदर्भ यह है कि हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकाल के ग्यारह वर्षों में पाकिस्तान को अपनी हरकतों से बाज आने और सुधरने के बहुत मौके दिए लेकिन उसने भारत के इस धैर्य को भारत की कमजोरी समझ लिया और लगातार दुस्साहस करता रहा। कहते हैं ना कुत्ते की दुम बारह साल भी लोहे के पाइप में डाल कर रखो फिर भी टेढ़ी ही निकलती है।

मोदी तो आख़िर मोदी है, एक राजनैतिक संत की तरह धीर, गंभीर और फ़ोलादी इरादों का मजबूत दृढ़ संकल्पित राष्ट्र भक्त ÷प्रथम सेवक ÷ है।

22 अप्रैल के पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा पहलगांव में 26 निर्दोष , निरीह, निहत्थे हिंदू पर्यटकों पर उनकी पत्नियों, बच्चों, घरवालों के सामने धर्म पूछकर, पतलून उतरवाकर धर्म जानने के बाद और कलमा ना पढ़ पाने के कारण गोलियों से भून दिया गया, इस घटना के बाद जब महिलाओं ने कहा की हमें भी मार दो तो आतंकवादियों ने उनसे कहा नहीं तुम्हें नहीं मारेंगे, जाओ और मोदी को बताओ हमने हिंदुओं को मार दिया है। जब यह घटना घटी मोदीजी सऊदी अरब की सरकारी यात्रा पर थे, उन्हें वहीं मातृशक्ति के उजड़े सिंदूरों की चीख पुकार , चीत्कार सुनाई दे गई और शायद शिशुपाल रूपी पाकिस्तान की यह एक सौ एकवीं गाली थी।

रोष और गुस्से में फड़फड़ाते हुए वह अपनी यात्रा बीच में ही छोड़कर भारत वापसी आ गए और श्रीकृष्ण की तरह कुरुक्षेत्र के मैदान में कमान संभाल ली।

उन्होंने पाकिस्तान से बदला लेने की पूरी संरचना तैयार की और इस बार पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी जहरीले सर्प को कुचलने का दृढ़ निश्चय लिया। उन्होंने कहा की आतंकतवादी और उनके संरक्षक आताल में पाताल में, दुनियाँ के किसी भी कोने में छुप जायें उन्हें चुन चुन कर मारा जाएगा। शायद उनके भीतर धड़कती क्रोध की ज्वाला को ना भारत का विपक्ष समझ पाया और ना ही पाकिस्तान। भारत का विपक्ष तो एक तरफ़ सरकार का बदला लेने में साथ देने की बात करता रहा और दूसरी तरफ़ सरकार को अपने वक्तव्यों से आहत करता रहा, ललकारता रहा , पाकिस्तान खून की नदिया बहाने और न्यूक्लियर बम की धमकी देता रहा।

लेकिन इन सबकी परवाह किए बिना मोदी जी आचार्य चाणक्य के शत्रु से निपटने के सात सिद्धान्तों (साम, दाम, दंड, भेद, उपेक्षा, माया और इंद्रजाल) का पूर्णतः अनुसरण करते हुए अपने कार्य में जुट गए।

आतंकवादियों के ख़िलाफ़ जंग का शंखनाद तो 22 अप्रैल को ही बज गया था लेकिन इसके चक्रव्यूह की संरचना में 15 दिन लगे और जब पूर्णतः तैयारी हो गई तब हमारी सेना ने सात मई की मध्यरात्रि में पाकिस्तान और पीओके के घर में सौ किलोमीटर तक घुसकर नौ आतंकी अड्डों को तबाह कर सौ आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया।इस दौरान भारत का इंडी गठबंधन ललकारता रहा की कहां गया 56 इंच का सीना , क्यूँ हमला करने की हिम्मत मोदी नहीं दिखा रहा।

इस देरी का जवाब कल रात की घटनाओं ने दे दिया। इन पंद्रह दिनों में मोदी और उनके सेनापतियों ने शतरंज की चौसर की तरह पाकिस्तान के जवाब को ध्यान में रखते हुए फूल प्रूफ रणनीति बनाई और यह ध्यान रखा कि भारत के जवाब का पाकिस्तान कैसे जवाब देगा और उसका हमें कैसे जवाब देना है।

उसीका नतीजा था कि पाकिस्तानी हमले का भारत पर कोई नुकसान नहीं हुआ उनके तरकश के सारे तीर व्यर्थ गए और हमने पाकिस्तान के अंदर घुसकर बग़ैर किसी नुक़सान के प्रमुख शहरों में तबाही मचा दी और पाकिस्तान को बाप बाप चिल्लाने को मजबूर कर दिया। इस जवाबी हमले में भारत की तीनों सेनाओं ने बहादुरी और जांबाज़ी का परिचय देकर भारत माँ को गौरान्वित किया, पूरी दुनियाँ में अपना लोहा मनवाया, जो चीन जैसे देश थोड़ी बहुत पाकिस्तान की तरफ़दारी कर रहे थे उन्हें भी आतंकवाद के विरुद्ध बयान देने को मजबूर कर दिया, पूरे विश्व को अपनी तरफ़ कर लिया। इस युद्ध के अलावा और भी कई कदम लिए जिससे पाकिस्तान की कमर टूट रही है।

इसे कहते हैं पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरना। भारत की इस सफलता को देख विपक्ष स्तब्ध है, 2008 में मुंबई में आतंकवादियों द्वारा 166 भारतीयों और विदेशियों की मारे जाने के समय जो सत्ता में थे स्तब्ध हैं की हम ऐसा क्यों नहीं कर सके। उनसे कहूंगा कर सकते थे , यदि तुष्टिकरण का चश्मा उतार देते या हिंदुओं को आतंकवादी कहने की होड़ में नहीं लगते।

खैर , अब इन बातों का कोई फायदा नहीं है, यह नया भारत है अंदरूनी , आयातित और विदेशी आतंकवाद को कुचल कर ही दम लेगा। भारत माता की जय!!

फार्मूला कथानकों की वजह से यथार्थ सिनेमा न जाने कहां खो गया!

हेमंत पाल

मनोरंजन सिर्फ मन बहलाव नहीं है, ये समाज का दिशा दर्शन भी करता है। लेकिन, समय के साथ-साथ ये दो हिस्सों में बंट गया। एक सिनेमा फार्मूला कहानियों पर गढ़ा जाता है, जो दर्शकों को मनगढंत कहानियों से बांधता है! दूसरा सिनेमा वो है, जो जीवन का यथार्थ दिखाता है, यानी समानांतर सिनेमा! दूसरी तरह की फ़िल्में कुछ ख़ास इसलिए होती हैं कि इनकी कहानियां हमें अपनी या अपने आसपास की लगती है। समानांतर फिल्मों में मुख्यतौर पर जमींदार या पूंजीपतियों द्वारा शोषण, अंधविश्वास और धार्मिक पाखंड पर चोट, युवा वर्ग के असंतोष, महिलाओं पर अत्याचार, भेदभाव जैसे कई सामाजिक मुद्दे दिखाई देते हैं। इनका समाज से सीधा सरोकार होता है। वास्तव में समानांतर सिनेमा को एक सांस्कृतिक आंदोलन की तरह देखा गया, जिसमें विषय की गंभीरता को यथार्थ और नैसर्गिकता के साथ जोड़कर रचा जाता है। ऐसी फिल्मों में हमेशा नए अंदाज से सामाजिक और राजनीतिक घटनाक्रमों को परदे पर उतारने की कोशिश की गई।

समानांतर सिनेमा को जीवन का यथार्थ कहा जरूर गया, लेकिन माना नहीं गया। क्योंकि, समानांतर सिनेमा का कैमरा हमेशा दमित और शोषित वर्ग पर ही फोकस होता रहा है। जबकि, सिर्फ दमन और शोषण ही समाज का यथार्थ नहीं है! समाज के यथार्थ में खुशी और गम दोनों शामिल होते हैं। फकत गम को ही समाज का यथार्थ या समानांतर सिनेमा का सच नहीं माना जा सकता। यदि समाज के यथार्थ में जीवन के सभी पक्षों को शामिल किया जाए, तो इसे समानांतर नहीं यथार्थवादी सिनेमा कहना ज्यादा उचित होगा। यदि इसमें 'अंकुर' शामिल है, तो 'हम साथ साथ है' को भी शामिल किया जा सकता है। समझा जाता है कि हमारा समानांतर सिनेमा इटैलियन न्यू रियलिज्म, फ्रांस के फ्रेंच न्यू वेव और जापान के न्यू वेव सिनेमा से प्रभावित रहा। भारतीय सिनेमा में भी यथार्थवादी झलक बहुत पुरानी बात रही। ऐसी फिल्मों की नींव 1920 से 30 के दशक में ही पड़ गई थी। 1925 में बाबूराव पेंटर ने अपनी मूक फिल्म 'सावकारी पाश' बनाई, जिसमें वी शांताराम ने गरीब किसान का किरदार निभाया था। ये किसान अपनी जमीन एक साहूकार को देने के लिए मजबूर हो जाता है और गांव छोड़कर शहर में मिल मजदूर बन जाता है! इसे भारत की पहली समानांतर फिल्म माना जाता है।

1940 से 1960 के दशक में समानांतर सिनेमा ने फिर करवट ली। इस दौर में उसे सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक, बिमल राय, मृणाल सेन, ख्वाजा अहमद अब्बास, चेतन आनंद और वी शांताराम ने पल्लवित किया। इन फिल्मों पर साहित्य की गहरी छाप थी। चेतन आनंद ने 1946 में 'नीचा नगर' जैसी फिल्म बनाई, जिसे कॉन फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्राइज मिला था। इस परम्परा को ही बाद में श्याम बेनेगल, गोविंद निहलानी, अदूर गोपालकृष्णन तथा गिरीश कासरवल्ली ने बढ़ाया। ऐसे फिल्मकारों में एक गुरुदत्त भी थे, जिन्होंने कला और फार्मूला सिनेमा को जोड़ने का कमाल किया। उनकी फिल्म 'प्यासा' को हिंदी सिनेमा की कालजयी फिल्म माना जाता है। अमेरिका की 'टाइम' पत्रिका ने इसे 'ऑल टाइम बेस्ट 100 मूवी' में जगह दी है। लेकिन, कला फिल्मों से व्यावसायिक सफलता पाने में ऋषिकेश मुखर्जी की भी कोई बराबरी नहीं कर सकता। इस तरह की फिल्मों के दर्शकों का एक विशेष वर्ग होता है। दर्शकों का दायरा सीमित होने के कारण इन फिल्मों की व्यावसायिक सफलता संदिग्ध हमेशा ही मानी गई। लेकिन, कई कला फिल्में ऐसी हैं, जिन्हें बॉक्स ऑफिस पर अच्छी सफलता मिली।

आजादी के बाद 50 और 60 के दशक में सिनेमा दो धाराओं में बंट गया। एक धारा में सामाजिक सरोकार के चिंतन को स्थान दिया गया। दूसरी धारा में मुख्य तौर पर मनोरंजन प्रधान सिनेमा बढ़ा! इसे मुख्यधारा का सिनेमा कहा गया। दूसरी तरफ कुछ ऐसे फिल्मकार थे, जो जिंदगी के यथार्थ को अपनी फिल्मों का विषय बनाते रहे. दर्शकों ने समानांतर सिनेमा को व्यावसायिक सिनेमा से इतर हटकर एक नए विकल्प के रूप में देखा। बांग्ला फिल्मों में इसे बढ़ने में सत्यजित रे की खासी भूमिका रही, जो विश्व सिनेमा से प्रभावित हुए। 'पथेर पांचाली' (1955) से सत्यजीत रे ने यथार्थवादी फिल्मों का ये सिलसिला शुरू किया।

हिंदी में समानांतर सिनेमा की नई शुरुआत 1969 में मृणाल सेन की फिल्म 'भुवन सोम' को माना जाता है। 1976 में मृणाल ने 'मृगया' बनाई, जो मिथुन चक्रवर्ती की पहली फिल्म थी। इसमें मिथुन ने एक आदिवासी क्रांतिकारी का किरदार निभाया था, जो पत्नी के यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाता है। बाद में सत्यजीत रे ने हिंदी में पहले 'शतरंज के खिलाड़ी' और बाद में 'सद्गति' बनाई। सत्यजीत रे के फ़िल्मी कथ्य में एक अलग ही शिल्प होता था। सुंदर छायांकन, विलक्षण दृष्टि बोध और दृश्य संयोजन के मामले में तो वे सदैव अनन्य रहे। 1953 में आई बिमल रॉय की 'दो बीघा जमीन' ने समीक्षकों की प्रशंसा के साथ व्यावसायिक सफलता भी प्राप्त की थी। इसे कॉन फेस्टिवल (1954) में भी अंतर्राष्ट्रीय सम्मान भी मिला। इसके बाद बिमल रॉय ने बिराज बहू, देवदास, सुजाता और 'बंदिनी' फिल्में बनाई। 1970 और 1980 के दौरान समानांतर सिनेमा ने जमकर विकास किया। श्याम बेनेगल शैली के फिल्मकारों का हौसला बुलंद हुआ! इसी दौर में शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, रेहाना सुल्तान, साधु मैहर, अमोल पालेकर, ओम पुरी, नसीरुद्दीन शाह, अनुपम खेर, कुलभूषण खरबंदा, पंकज कपूर, गिरीश कर्नाड के साथ समय-समय पर रेखा और हेमा मालिनी का भी सानिध्य मिला।

श्याम बेनेगल समानांतर सिनेमा के नवसृजन के प्रमुख हस्ताक्षर बने। उन्होंने 1973 में पहली फिल्म 'अंकुर' बनाई। गांवों में शहरी घुसपैठ के परिणामों पर बनी यह फिल्म सफल रही। 'अंकुर' ने तीन राष्ट्रीय समेत 42 अवॉर्ड जीते। 1975 में बेनेगल ने 'निशांत' और 1976 में 'मंथन' बनाई। 'मंथन' को भी राष्ट्रीय पुरस्कार नवाजा गया। उनकी मंडी, कलियुग और 'जुनून' भी बेहद चर्चित रही। श्याम बेनेगल के साथ जुड़े गोविंद निहलानी भी इसी रास्ते पर आगे बढे और ऐसी ही यथार्थवादी फिल्में बनाई। निहलानी की 1981 में आई 'आक्रोश' को दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी सराहा। बाद में निहलानी ने कला और फार्मूला कथानकों पर फ़िल्में बनाना शुरू किया। पुलिस की विवशता पर अर्धसत्य, वायुसेना पर विजेता, मिल मालिक और मजदूरों के आपसी संघर्ष पर आघात, समाज के नवधनाढ्य वर्ग के खोखलेपन पर 'पार्टी' और आतंकवाद पर 'द्रोहकाल' बनाई। 1980 में मणि कौल ने गजानन माधव मुक्तिबोध की रचना पर 'सतह से उठता आदमी' का निर्माण किया। 1983 में कुंदन शाह ने कालजयी फिल्म 'जाने भी दो यारों' बनाई।

1990 के शुरुआती दौर में निर्माण लागत बढ़ने का सबसे बड़ा प्रभाव समानांतर फिल्मों पर पड़ा और ऐसी फिल्मों का बनना लगभग बंद हो गया। फिल्मकारों ने समानांतर सिनेमा से मुंह मोड़ लिया। शबाना आजमी, स्मिता पाटिल, नसीरुद्दीन शाह और कुलभूषण खरबंदा जैसे कला फिल्मों से उपजे कलाकारों ने भी अपने रास्ते बदल लिए। लेकिन, 2000 के बाद फिर यथार्थवादी सिनेमा के घोड़े बदले अंदाज में परदे पर दौड़े। इस दौर में प्रायोगिक फिल्मों के नाम से नए प्रयोग हुए। मणिरत्नम ने 'दिल से' और 'युवा' बनाई तो नागेश कुकनूर ने 'तीन दीवारें' और डोर परदे पर उतारी। सुधीर मिश्रा की हजारों ख्वाहिशें ऐसी, जानू बरूआ की मैने गाँधी को नहीं मारा, नंदिता दास की फिराक, ओनिर की 'माय ब्रदर निखिल' और 'बस एक पल' ने माहौल बदलना शुरू किया। इसके बाद अनुराग कश्यप ने 'देव डी' और 'गुलाल' पीयूष झा की 'सिकंदर' के बाद विक्रमादित्य मोटवानी की 'उड़ान' ने नई धारा को जन्म दिया। लेकिन, अब यथार्थ दिखाने वाला यह सिनेमा कुछ सालों से गायब सा हो गया! ऐसा क्यों हुआ इसका एक ही कारण माना जा सकता है कि अब ये मनोरंजन नहीं रहा!

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

राशन प्राप्त करने के लिए ई-केवायसी 15 तक कराना अनिवार्य

नरसिंहपुर। जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकान से प्रतिमाह खाद्यान्न प्राप्त करने वाले ऐसे समस्त हितग्राहियों को सूचित किया गया है कि वे अपने परिवार के सभी सदस्यों का ई- केवायसी 15 मई तक करना आवश्यक है। जिन हितग्राहियों व उनके परिजनों की 15 मई तक ई- केवायसी नहीं होगी, उन्हें माह जून 2025 से खाद्यान्न प्राप्त नहीं होगा। जिन सदस्यों/हितग्राहियों के 5 वर्ष तक के छोटे बच्चों और बुजुर्ग का बायोमेट्रिक सत्यापन/ईकेवायसी पीओएस मशीन से नहीं हो पा रहा हैं। वे एन्ड्राइड मोबाइल के मेरा केवाईसी (द्म4ष्) एप के द्वारा गुगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करके ईकेवायसी कर सकते हैं। ईकेवायसी करते समय उसी मोबाइल का उपयोग करें जो कि आधार कार्ड में रजिस्टर्ड हैं। जिला आपूर्ति अधिकारी नरसिंहपुर ने बताया कि समस्त हितग्राही सुगमता से राशन प्राप्त करने के लिए 15 मई तक ई- केवायसी निर्धारित समय में शासकीय उचित मूल्य दुकान पर पीओएस मशीन के माध्यम से करवाना सुनिश्चित करें।

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की बैठक जनशिक्षा केंद्र कन्या शाला में सम्पन्न हुई

औबेदुल्लागंज (संवाददाता) जन शिक्षा केंद्र शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय औबेदुल्लागंज में,, उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान से संबंधित एक बैठक का आयोजन किया गया था ,,जो जन शिक्षा केन्द्र कन्याशाला औबेदुल्लागंज में रखी गई थी,, इस बैठक में पूरे विकासखंड की शालाओ के नोडल अधिकारी / शिक्षको ने उपस्थित होकर साक्षरता अभियान संबंधी अक्षर साथियों को ऑनलाइन जोड़ा गया है उनके दायित्व समझाये गये एवं ,,हम पढ़ेंगे देश बढ़ेगा * के आधार पर रुचि पूर्वक सभी ने अपनी अपनी जिज्ञासा व्यक्त की । इस बैठक में जनपद शिक्षा केंद्र औबेदुल्लागंज के बीआरसी सतीश कुशवाहा,, संकुल प्रचार्य श्रीमती अनीता श्रीवास्तव ,, वरिष्ठ मास्टर ट्रेनर ए के मिश्रा एवं ब्लॉक सहसमन्वयक आर एस नमचूरिया ,, साक्षरता संकुल सहसमन्वयक परबचंद चौरे ,, हमीर सिंह मोहानिया , बीएसी गोपाल उईके,, मिन्ज मैडम रिंकी गुप्ता एवं समस्त शाला प्रभारी ओर नोडल अधिकारी आदि इस बैठक में उपस्थित होकर सम्मिलित हुए।

विधायक ने अधिकारियों के साथ किया उत्कृष्ट मार्ग पर बन रही सीसी सड़क का निरीक्षण

सिरोंज। शुक्रवार को विधायक शर्मा ने प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ चल रहे निर्माण कार्यों का ओचक निरीक्षण किया। शाम को वह करीब पांच बजे काशी घाट से पंचकुईया तक बन रही निर्माणाधीन सीसी सड़क का मुआयना करने पहुंचे थे। सीसी सड़क के निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा बरती जा रही लापरवाही को लेकर उन्होंने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम हर्षल चौधरी से बनवाएं सड़क के बेस वर्क के सेंपल एकत्रित कर जांच करवाने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय हे कि विधायक उमाकांत शर्मा के विशेष प्रयासों से कायाकल्प योजना फेस टू के अंतर्गत काशी घाट से पंचकुईया के तिराहे तक करीब सात सौ मीटर लंबी तथा बारह मीटर चौड़ी सीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें ठेकेदार द्वारा घटिया निर्माण की शिकायतें प्राप्त हो रही थी। इसके अलावा इसी उत्कृष्ट सड़क के दोनों ओर सौंदर्यीकरण के लिए बड़े बिजली के पोल लगाने का कार्य भी अन्य ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य में बिजली के पोल खड़े करने के लिए जमीन में कॉलम खड़े किए जा रहे हैं। विधायक शर्मा ने मौके पर इन कॉलम के आसपास की खुदाई करवाकर इसकी गहराई एवं गुणवत्ता को भी जांचा। यह कॉलम भी तय मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने से उन्होंने संबंधित इंजीनियर से इन पोलो के कॉलम में सुधार करवाए जाने के निर्देश दिए। इस मौके पर प्रमुख रूप से नपाध्यक्ष मनमोहन साहू,उपाध्यक्ष मनोज शर्मा,पार्षद टीकाराम शाक्य,सचिन शर्मा,बलजीत यादव,सीएमओ रामप्रकाश साहू,इंजीनियर रोहित तोमर,अखिलेश मार्को सहित प्रशासन के कर्मचारी मौजूद थे।

बुरहान अली सैफी सपरिवार हज यात्रा पर रवाना

आष्टा। धर्म का सीधा संबंध कर्त्व्य की पूर्ति और आत्मा की पवित्रता से है। हज करने से जीवन मे सद्गुणों का विकास होता है। हज यात्रा इस्लाम धर्म के पांच स्तंभों में से एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। हज यात्रा का उद्देश्य ईश्वर को प्रसन्न करना और आत्मसुधार करना हैं। यह यात्रा न केवल धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि सामुदायिकता, सहयोग और भाईचारे का भी प्रतीक होती है. अपनी क्षमतानुसार हज करना मुस्लिम सम्प्रदाय के अनुयायियों की दिली इच्छा होती है। हमे बहुत खुशी है कि आष्टा अंचल के सैकड़ो मुस्लिम बंधुओं के साथ ही स्थानीय दाउदी बोहरा समाज के सचिव बुरहान अली सैफी तथा उनकी धर्मपत्नि जैहरा सैफी परिवार के साथ हज की पवित्र यात्रा करने जा रहे हैं। सद्भाव और परस्पर सम्मान की भावना व्यक्त करते हुए यह विचार श्वेताम्बर जैन समाज के महामंत्री अभिषेक सुराणा, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह परमार, मोहित कासलीवाल, राहुल सुराणा, मृगांक गुप्ता, डॉ. दीपा पारख, महिमा सुराणा, शुभी गुप्ता, उमा परमार एडवोकेट आदि ने व्यक्त किये। इस शुभ अवसर पर उनके मित्रों और शुभचिंतकों द्वारा एक गरिमामय सम्मान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। विदाई समारोह में मित्रों ने उन्हें पुष्पहार पहनाकर, अंगवस्त्र भेंट कर एवं मंगलकामनाएं देकर विदा किया। सभी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि उनकी यात्रा सकुशल, सफल और पुण्यदायी हो। समारोह के पश्चात सहभोज का आयोजन भी किया गया, जिसमें समूचा वातावरण भावुकता एवं आध्यात्मिकता से ओतप्रोत रहा।

ऑपरेशन सिंदूर :जवान ने रात में लिए सात फेरे सुबह ड्यूटी के लिए रवाना, पिता ने कहा मेरा बेटा और देश दोनों महफूज रहें

राजगढ़। सीमा पर तनाव के बीच मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के वायुसैनिक की कहानी दिल को छू लेने वाली है। दिल्ली के पास ईसापुर एयरफोर्स स्टेशन में तैनात वायुसैनिक मोहित राठौर की 8 मई को शादी थी। कुरावर के मैरिज गार्डन में अपनी होने वाली पत्नी के साथ पहली बार सेहरा बांधकर लग्न सगाई के लिए बैठे तब तक पत्नी को इस बात का अंदाजा भी नहीं था। पति अगले ही दिन वापस चले जाएंगे।

बता दें कि मोहित छह साल से वायुसेना में हैं। वे अपनी अपनी शादी के लिए 15 मई तक अवकाश लेकर कुरावर आए थे। सीमा पर तनाव और ताजा हालात को देखते हुए सैनिकों की छुट्टियां निरस्त कर दी गई हैं। मोहित ने पत्रिका को बताया कि बुधवार को स्टेशन से फोन आया कि आपकी छुट्टी कैंसिल हो गई है, तुरंत आ जाएंजवान मोहित के पिता महेश राठौर किराना व्यापारी हैं। उन्होंने कहा कि बेटे की शादी की खुशी है, पर गर्व उससे भी बड़ा है। मैं प्रार्थना करता हूं कि मेरा बेटा और देश दोनों महफूज रहें।

इसके बाद बड़े भारी मन से उन्होंने अपनी दुल्हन को बताया कि बुलावा आ गया है और उन्हें अभी

अपनी पोस्ट पर जाना होगा. उनकी बहादुर पत्नी ने उन्हें देश की करोड़ों सिंदूर की लाज बचाने की सपथ दी और विदा कर दिया.कुरावर के वार्ड-15 में रहने वाले मोहित के पिता महेश राठौर किराना दुकान चलाते हैं. मोहित के मुताबिक बुधवार को ही उन्हें हेडक्वार्टर से फोन आ गया था.

मोहित की शादी राजगढ़ जिले के ही लसूड़िया रामनाथ में रहने वाले गोपाल राठौर की पुत्री वंदना के साथ हुई है. शादी के बाद उन्होंने अपने दामाद को भारी मन से विदा किया. कहा कि दामाद मोहित के ड्यूटी पर जाने की खबर मिली है. इस खबर से उन्हें अपने दामाद पर गर्व हो रहा है. कहा कि हमारे लिए देश के आन बान और शान की रक्षा सबसे पहले है. उन्होंने बताया कि उन्हें यह खबर पहले ही मिल गई थी, लेकिन रस्में पूरी होने तक बेटी को इसकी जानकारी नहीं दी.

कॉलेज के चेयरमैन पर पत्नी ने धर्म बदलने के दबाव का केस दर्ज कराया

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां भवंस प्रॉमिनेंट कॉलेज के चेयरमैन समीर मीर पर उनकी पत्नी ने मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसका पति उस पर नमाज़ पढ़ने और धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहा था। एमआईजी थाना पुलिस ने देर रात समीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और मप्र.धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के अंतर्गत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसीपी सोनू डावर ने बताया कि पीड़िता की समीर से शादी वर्ष 2006 में पूरी हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं, एक बेटा और एक बेटी।

पीड़िता का कहना है कि लगभग चार साल पहले समीर के व्यवहार में अचानक बदलाव आना शुरू हुआ। उसने अपना पहनावा बदला और नमाज़ पढ़ना शुरू किया। इसके बाद वह पत्नी पर भी धार्मिक रीति बदलने और नमाज़ पढ़ने का दबाव डालने लगा। पीड़िता ने जब इनकार किया,तो समीर ने रिश्ते में तनाव पैदा किया और धर्म परिवर्तन को शर्त बना दिया। फिलहाल पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर गंभीरता से कार्रवाई करते हुए समीर मीर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

तवा टू कोयला खदान में दुर्घटना मजदूर ने हाथ गवांया

सारनी । कोयला खदान में दो माह में दूसरी दुर्घटना में ठेका श्रमिक के दोनो हाथ कटे गये। खदान में सुरक्षा नियम पर अब सवाल उठ रहे है। जिसके चलते मजदूरों की जान जोखिम में है। डब्लू सी एल कंपनी में दो महीने के भीतर दूसरा हादसा हुआ है। जिसमें तीन मजदूर कि म्रत्यु हो चुकी थी।

2 महीने में दूसरा दिल दहलाने वाला हादसा-ठेका श्रमिक राजेंद्र रेड्डी के साथ हादसा मे एक हाथ कंधे के पास से और दूसरे पंजे के पास से गंवाना चुके है। हादसा अरविंदो कंपनी मशीन से होना बताया है। सूत्रों जे मुताबिक अरविंदो कंपनी ने पहली बार डायरेक्ट टेंडर लिया है। पहले पेटी पर काम लेकर कर थे। कंपनी का अनुभव कम मान सकते है।जिसे दुर्घटना का कारण मन सकते है। सारनी से पलायन होने का कारण मशीनीकरण है। अगर मशीनीकरण की जगह मजदूर मजदूरी करे। तो क्षेत्र की 60त्न बेरोजगारी की समस्या दूर हो सकती है। जी एम लक्ष्मी कांत महापात्रा के रहते क्या सुरक्षा संबंधित नियमों की अनदेखी की जा रही है। सवाल है हादसे के बाद ठेका कम्पनी अधिकारी को बदला जायेगा। कुछ दिनो पहले सत्यनारायण फिर घटना के वक्त राजेश रोशन और अब आर पी सिंह को प्रभार दिया गया था। क्या अब प्रशासन और कंपनी मिलकर मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। मामले में जानकारी देने जी एम लक्ष्मी कांत महापात्रा द्वारा फोन फोन नही उठाया गया।

ऑपरेशन सिंदूर' से कर्नल सोफिया के जुड़े होने पर ससुर भावुक, बोले 'मेरी बहू ने मुझे गौरवान्वित किया

कोन्नूर (बेलगावी) । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस आतंकी घटना के बाद ही देशवासियों में काफी गुस्सा था। 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर भारतीय सेना ने 7 और 8 मई की रात पाकिस्तान और पीओके में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर करारी कार्रवाई की। इसके बाद मीडिया ब्रीफिंग में कर्नल सोफिया कुरैशी सामने आई, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इसी के बाद से ही कर्नल सोफिया के परिवार के लोग खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। इसी बीच सोफिया के ससुर का बयान भी सामने आया।

कर्नल सोफिया के ससुर गौसाब बागेवाड़ी कर्नाटक के बेलगावी जिले के कोन्नूर गांव के रहने वाले हैं। मीडिया से बात करते हुए गौसाब ने बताया कि मेरी बहू ने मुझे गौरवान्वित किया। करीब 6 महीने पहले वह गांव आई थी। ऑपरेशन सिंदूर' की मीडिया ब्रीफिंग करने के बाद से ही गांव के लोग मुझे मिलकर बधाई दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि मैं बहुत खुश हूं। भारतीय सेना में तैनात गौसाब के बेटे और कर्नल सोफिया के पति ने कर्नल ताजुद्दीन ने पिता से बात करते हुए कहा कि उसे (कर्नल सोफिया) लेकर चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

गांव में जश्न का माहौल

गौसाब ने बताया कि पूरे गांव में जश्न का माहौल है. साथ ही पूरे परिवार को उन पर गर्व है। कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना में सिग्नल कोर की अधिकारी है। उनके दादा और पिता भी सेना में सेवाएं दे चुके हैं। सोफिया ने 1999 में चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी (द्धञ्ज) से प्रशिक्षण प्राप्त कर सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्राप्त किया। उनके सैन्य करियर में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और उत्तर-पूर्व भारत में बाढ़ राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद

भारतीय सेना ने पहलगाम हमले पर जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसके कुछ देर बाद भारतीय लोगों को इस बारे में जानकारी मिली, जिसके बाद लोगों ने भारतीय सेना और सरकार की खूब सराहना की। इसके बाद विदेश मंत्रालय की ओर से आयोजित प्रेस क्रांफ्रेस में ऑपरेशन सिंदूर के बारे में ब्रीफ किया गया। इस पीएसी को ब्रीफ करने वाली और कोई बड़ा नेता नहीं, बल्कि कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह थी। साथ ही इस दौरान विदेश सचिव विक्रम मिसरी भी मंच पर मौजूद थे।

सिवनी नगर पालिका अध्यक्ष को हटाया, एलईडी खरीदी, पार्किंग ठेका, मरम्मत में भ्रष्टाचार, अनियमितता के आरोप हुए प्रमाणित

भोपाल-वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के चलते नगरीय विकास एवं आवास मंत्रालय ने सिवनी नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शफीक खान को पद से पृथक कर दिया है। उनके स्थान पर वार्ड पांच के पार्षद ज्ञानचंद सनोडिया को अध्यक्ष के निर्वाचित होंने तक के लिए अध्यक्ष नगर पालिका सिवनी की शक्तियों और कर्त्तव्यों का निर्वहन करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सिवनी में स्टेडियम परिसर और पीजी कॉलेज में नौ मीटर हाईमास्ट लाइट छह नग दो सौ वाट एलईडी फ्लड लाईट खरीदी के लिए ठेका आवंटन किया लेकिन सामग्री प्रदाय नहीं करने पर ठेकेदार के खिलाफ उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। दुबारा निविदा हुई तो नौ माह बाद ही दो गुनी दर पर 2 लाख 98 हजार प्रति नग के हिसाब से अध्यक्ष ने स्वीकृति दे दी। इस सामग्री का गुणवत्ता परीक्षण भी नहीं कराया गया। इसमें ठेकेदार को अवांछित लाभ दिया गया। नोटिस मिलने पर अध्यक्ष शफीक खान इस बारे में कोई जवाब नहीं दे पाए कि दुगनी दरों पर खरीदी किस आधार पर की गई। आरोप सही पाए गए। इससे निकाय को हानि हुई है।

नगर पालिका के सामने बस स्टैंड कचहरी चौक तथा ट्रेचिंग ग्राउंड में चार नगर बारह मीटर हाईमास्ट, बारह नगर चार सौ वाट एलईडी खरीदी में पहले दस लाख की मंजूरी दी गई। लेकिन राय ट्रेडर्स को चार लाख 65 हजार प्रति नग के हिसाब से स्वीकृति दी गई। यह बाजार दर से ज्यादा थी लेकिन इसकी उपयुक्तता पर कोई विचार नहीं किया गया। इससे निकाय को दो लाख 60 हजार रुपए का नुकसान हुआ। इसमें पहली निविदा से कम अवधि में दूसरी निविदा बुलाकर नियमों का उल्लंघन किया गया और चहेते ठेकेदार को उपकृत किया गया। इसी तरह 90 नग 90 वाट एलईडी खरीदी में भी अनियमितता की गई। इसके अलावा फिनोकि पावडर खरीदी ब्लैक फिनाइल खरीदी, यूरिनल शौचालय खरीदी, स्ट्रीट लाईट मरम्मत वाहनों की मरम्मत तथा ईंधन पर खर्च में वित्तीय अनियमितता, बस स्टेंड के पार्किंग ठेकों की नीलामी में भ्रष्टाचार, दखल फीस वसूली ठेके में अनियमितता जैसे चौदह गंभीर अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप उन पर लगाए गए और जांच में अधिकांश प्रमाणित और कुछ आंशिक प्रमाणित पाए जाने के बाद उन्हें पद से हटाने का निर्णय लिया गया।

पंच परिवर्तन से राष्ट्रोत्थान--अरुण पटेवार

शहडोल। एकल परिवार, सामाजिक कुरीतियां, अतीत का तिरस्कार, पर्यावरण का दोहन व कर्तव्यों से विमुख होना राष्ट्र को कमजोर कर रहा है इसलिए हम पंच परिवर्तन से राष्ट्र को उन्नत बना सकते हैं। यह बाते सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पांडवनगर मे चल रहे आचार्य प्रशिक्षण वर्ग को सम्बोधित करते हुए विद्या भारती मध्य क्षेत्र सदस्य अरुण पटेवार ने कही।

विद्या भारती सरस्वती शिक्षा परिषद द्वारा शहडोल के पांडवनगर विद्यालय मे 15 दिवसीय विद्या भारती के आचार्य प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है। वर्ग के अष्टम दिवस पर संवाद सत्र के मुख्य वक्ता के रूप मे उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की उन्नति इस बात पर निर्भर करती है कि उस राष्ट्र के नागरिकों की चिन्तन क्या है। अच्छे चिन्तन के लिए श्रेष्ठ शिक्षा की आवश्यकता है । परम पूज्य सर संघचालक जी के मातृसंगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में उनके आहवान पर आज पंच परिवर्तन जिसमें कुटुम्ब प्रबोधन, समरसता, स्व का बोध, पर्यावरण व नागरिक कर्तव्य समाहित की महती आवश्यकता है । हम सभी को अपने अधिकारों के साथ सामाजिक नैतिक व संवैधानिक कर्तव्यों का पालन करना होगा ।

इस दौरान प्रशिक्षण वर्ग मे मध्यक्षेत्र के मा0 संगठन मंत्री अखिलेश मिश्रा जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग में पालक अधिकारी राम बहोरी पटेल,शहडोल जिला सचिव रवि कुमार रजक, अमित दवे प्रांत संगठन मंत्री, शिवानन्द सिनहा, हरीराम तिवारी, रविशंकर शुक्ल, बैकुण्ठ साह, रामशिरोमणि शर्मा, मनोज पुरी गोस्वामी, गुरूप्रसाद शुक्ला व प्रबंध समिति से संतोष कुमार लोहानी (व्यवस्थापक), विष्णुकांत मिश्रा (सह व्यवस्थापक) आदि कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से मौजूद रहे। संस्था के प्राचार्य अनिल द्विवेदी ने बताया आगामी 13 मई को प्रशिक्षण वर्ग में आए समस्त प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षर्थियो को पोषक ग्राम दर्शन के लिये ले जाया जायेगा।

निर्दोष नागरिकों का खून बहाने वालों को मोदी सरकार सिखा रही सबक-रविन्द्र यति

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री एवं जिलाध्यक्ष ने ऑपरेशन "सिंदूर" की सफलता पर भारत माता की भव्य महाआरती कर तिरंगा ध्वज फहराया

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी एवं जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति ने भारत माता चौक पर ऑपरेशन "सिंदूर" की सफलता पर भोपाल जिला द्वारा आयोजित भारत माता की महाआरती में शामिल होकर तिरंगा ध्वज फहराया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने पाकिस्तान पर भारतीय सेना की कार्रवाई का स्वागत किया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री श्री अमित शाह जी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और तीनों सेनाओं को बधाई देते हुए कहा कि यह कार्रवाई पाक प्रेरित आतंक को समूल नष्ट करने के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संकल्प की पूर्ति की दिशा में एक बड़ा कदम है। हमारे सैनिकों ने भारत माता और जयहिंद के जयकारों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की इच्छा के अनुरूप इस ऑपरेशन को सफल बनाया है। आज भोपाल में सीमा पर लड रहे सैनिकों को ताकत देने और तीनों सेनाओं का अभिनंदन करने के लिए एकजुट हुए है।

जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र यति ने कहा कि हमारी सेना ने यह बता दिया है कि भारत में बेगुनाहों का खून बहाने वाले आतंकी और उनके आका पाकिस्तान में ही क्यों न छुपे हों, वे हमारी पहुंच से दूर नहीं हैं और जब भी निर्दोष नागरिकों का खून बहाएंगे उन्हें ऐसा ही सबक सिखाया जाएगा। श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि आज पूरी देश की जनता प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ खड़ा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेश शासन के मंत्री श्री विश्वास सारंग, श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेश महामंत्री व विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, पूर्व विधायक श्री ध्रुवनारायण सिंह, जिला अध्यक्ष श्री रविन्द्र यति, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, श्री प्रदीप त्रिपाठी, श्रीमती भक्ति शर्मा, सुश्री नेहा बग्गा, श्री राजेंद्र गुप्ता, श्री मनोज राठौर, श्री इंद्रजीत सिंह राजपूत, श्री राहुल राजपूत, श्री बालिस्ता रावत, श्री राजू अनेजा, मंडल अध्यक्ष श्री मुकेश दहाड़े, श्री मनोज राठौर, राम बंसल रेनवाल, श्री सूर्यकांत गुप्ता, श्री तुलसी सोनी, श्री आशुतोष तिवारी, पार्षद श्रीमती बृजला सचान, श्रीमती आरती राजू अनेजा, श्री अजय पाटीदार, श्री संतोष ब्रह्मभट्ट, श्री लीलेन्द्र मारण, श्री राकेश जैन अनुपम, श्री देवेंद्र योगी, श्री निखिलेश मिश्रा, श्री महेंद्र दवे, श्री अजय साहू, मंडल अध्यक्षगण श्री प्रताप सिंह बेस, श्री सुरेंद्र धोटे, श्री मुकेश दहाड़े, श्री प्रियेश उपाध्याय, श्री सोनू पालीवाल, श्री हेमंत बड़गैया, श्री आशीष सिंह ठाकुर, श्री पारस नरवरिया श्री हेमंत जोगी, श्री पियूष सिसोदिया, श्री अभिषेक पुरोहित, श्री निखिलेश मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों की घोषणा की

कोलकाता, एजेंसी। बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24-25 का समापन मजबूत तिमाही उत्पादन और बिक्री के साथ किया, जिसके परिणामस्वरूप मार्च तिमाही के लिए कंसोलिडेटेड शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत बढ़कर 257 करोड़ रुपये हो गया। यह तीन चुनौतीपूर्ण तिमाहियों के बाद हुआ, जिसने पूरी इंडस्ट्री को प्रभावित किया था। तिमाही के दौरान मांग और कीमतों में उछाल के कारण बेहतर रियलाइजेशन हुआ और मार्च तिमाही में 105 प्रतिशत की उच्च क्षमता उपयोग हुआ। हालांकि तिमाही के लिए 5,103 रुपये प्रति टन की रियलाइजेशन पिछले वर्ष की समान अवधि (5,178 रुपये प्रति टन) की तुलना में मामूली रूप से कम थी, बदले हुए जियोलॉजिकल मिक्स के कारण, तिमाही के लिए 2,863 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड राजस्व 7 प्रतिशत अधिक था। प्रति टन एबिटिडा बढ़कर 1,014 रुपये हो गया-जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। यह सालाना आधार पर 5 प्रतिशत और क्रमिक आधार पर 78 प्रतिशत की ग्रोथ दर्शाता है। सीमेंट डिवीजन का ऑपरेशनल लाभ मार्जिन मार्च तिमाही के लिए 20 प्रतिशत था, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 18.6 प्रतिशत था और पूरे वर्ष के लिए 14 प्रतिशत (वित्त वर्ष 23-24 में 15.5 प्रतिशत) था। पूंजीगत खचँरू मुख्य रूप से महाराष्ट्र के मुकुटबन और राजस्थान के चंदेरिया में पहले के विस्तार के स्थिरीकरण और मध्य भारत के मुख्य बाजारों में कंपनी की स्थिति को मजबूत करने के साथ, बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड अब ग्रोथ के अपने अगले चरण की शुरुआत कर रहा है।

कैप्टन टेक्नोकास्ट का संकलित एफवाय25 कुल आय में 43.57 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि

मुंबई, एजेंसी। कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड जो प्रिसिजन इंडस्ट्रियल कास्टिंग्स के प्रमुख निर्माता, निर्यातक और आपूर्तिकर्ता है, ने वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कुल आय 51.92 करोड़, वार्षिक वृद्धि 47.45 प्रतिशत , ईबीआईटीडीए 7.63 करोड़, वार्षिक वृद्धि 83.65 प्रतिशत , ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत) 14.69 प्रतिशत, वार्षिक वृद्धि 290 बेसिस प्वाइंट्स , शुद्ध लाभ 4.71 करोड़, वार्षिक वृद्धि 94.16 प्रतिशत , शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) 9.08 प्रतिशत, वार्षिक वृद्धि 218 बेसिस प्वाइंट्स , प्रति शेयर आय 4.46, वार्षिक वृद्धि 107.44 प्रतिशत कुल आय 93.52 करोड़, वार्षिक वृद्धि 43.57 प्रतिशत , ईबीआईटीडीए 13.07 करोड़, वार्षिक वृद्धि 78.67 प्रतिशत , ईबीआईटीडीए मार्जिन (प्रतिशत) 13.97 प्रतिशत, वार्षिक वृद्धि 275 बेसिस प्वाइंट्स , शुद्ध लाभ 8.05 करोड़, वार्षिक वृद्धि 109.20 प्रतिशत , शुद्ध लाभ मार्जिन (प्रतिशत) 8.60 प्रतिशत, वार्षिक वृद्धि 270 बेसिस प्वाइंट्स , प्रति शेयर आय 7.72, वार्षिक वृद्धि 126.39 प्रतिशत वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कैप्टन टेक्नोकास्ट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अनिल वी. भालू ने कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वित्त वर्ष 2024-25 कैप्टन टेक्नोकास्ट के लिए निरंतर प्रगति और रणनीतिक विकास का वर्ष रहा है। हमने गुणवत्ता, संचालन कुशलता और ग्राहक-केंद्रित नवाचार पर अपने फोकस के चलते प्रमुख क्षेत्रों में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है।

कम बिजली खर्च करने वाले एसी से घटेगा आपका बिजली बिल

भोपाल । जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, एयर कंडीशनर (एसी) अब घरों, दफ्तरों, अस्पतालों, दुकानों और स्कूलों की ज़रूरत बन गया है। पहले जो चीज़ सिर्फ़ अमीरों के लिए लग्ज़री मानी जाती थी, वह अब हर किसी के लिए गर्मी से राहत पाने का ज़रिया बन गई है। लेकिन एसी के बढ़ते इस्तेमाल से बिजली का बिल भी बढ़ जाता है। ऐसे में अगर सही एसी चुना जाए, तो बिना आराम से समझौता किए बिजली के खर्च को कम किया जा सकता है। तांबा जंग नहीं लगने देता, इसलिए भारत जैसे देश में जहां मौसम जल्दी-जल्दी बदलता है, वहां यह और भी ज़्यादा फायदेमंद है। इंटरनेशनल कॉपर एसोसिएशन इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, एल्युमिनियम वाले एसी में हर 3 साल में लीक की दिक्कतें आने लगती हैं, जबकि तांबे वाले एसी में ऐसी समस्या 7 साल बाद ही आती है। इतना ही नहीं, तांबे के पार्ट्स को रिपेयर करना आसान होता है, जबकि एल्युमिनियम में पूरी यूनिट ही बदलनी पड़ती है। तांबे (कॉपर) का इस्तेमाल एसी में बहुत अहम हो गया है। हीट एक्सचेंजर और एसी की पाइपिंग में जो तांबे की ट्यूब लगती हैं, वो अच्छी कूलिंग देने के साथ-साथ बिजली की खपत भी कम करती हैं। तांबा बहुत अच्छी तरह से गर्मी को बहार निकालता है, मुड़ने में आसान होता है और जल्दी खराब भी नहीं होता। इसलिए आज के बदलते मौसम और बढ़ती गर्मी को देखते हुए, तांबे वाले एसी ज़्यादा बेहतर साबित हो रहे हैं। गर्मी के मौसम में बिजली का बिल कम करने का एक आसान तरीका है — कम बिजली खर्च करने वाला एसी लगाना। भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की स्टार रेटिंग प्रणाली से यह पता लगाया जा सकता है कि कौन-सा एसी ज़्यादा बिजली बचाता है।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के अन्वेषण 2025 ने वैश्विक मंच पर भारतीय ज्ञान व्यवस्था को प्रदर्शित किया

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड युनिवर्सिटी ऑफ डिजाइन के स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित त्रिवेणी कला संगम में अपने वार्षिक इंटरनेशनल परफॉर्मिंग आर्ट्स कॉन्फ्रेंस अन्वेषण 2025 का उद्घाटन किया। भारतीय कला और अकादमिक क्षेत्र में एक ऐतिहासिक पहल इस सम्मेलन में जबरदस्त उत्साह दिखा जहां देशभर से प्रख्यात विद्वान, कलाकार, शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। इस वर्ष का अन्वेषण इंडियन नॉलेज सिस्टम एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स इन ए ग्लोबल कांटेक्स्टकी थीम पर केंद्रित है जहां यह संभावना तलाशी जा रही है कि कैसे पारंपरिक भारतीय कलात्मक रूपरेखा, वैश्विक दृष्टिकोण के साथ सार्थक हो सकती है। इस थीम ने सांस्कृतिक विरासत, कलात्मक नवप्रवर्तन और अकादमिक जिज्ञासा को लेकर भावी संवाद का आधार तैयार किया है।

इस मदर्स डे पर, कलर्स के सितारों ने अपनी मांओं को दिल छूने वाली शुभकामनाएं दी

मुंबई, एजेंसी। कलर्स के शो 'डोरी' में डोरी का किरदार निभा रहीं प्रियांशी यादव ने कहा, हर दिन, मेरी मां मुझे दिखाती हैं कि बिना शर्त प्यार का असली मतलब क्या होता है। वह मेरी सबसे बड़ी समर्थक, मेरी ताकत और मेरे सपनों का सहारा हैं। वह मेरे साथ डोरी के सेट पर भी आती हैं, मुझे प्रोत्साहित करती हैं और मेरे काम के प्रति गर्व व्यक्त करना कभी नहीं भूलतीं। बचपन में, मैं मदर्स डे पर उनके लिए हाथ से कार्ड्स बनाती थी और फूल तोड़कर उन्हें खुश करती थी। आज मैं कोशिश करती हूं कि छोटी-छोटी चीजों से, उपहारों और भावों के ज़रिए उन्हें अपना प्यार दिखा सकूं—हालांकि जो उन्होंने मेरे लिए किया है, मैं उसकी बराबरी कभी नहीं कर सकती। जहां मैं पर्दे पर एक सिंगल मदर का किरदार निभा रही हूं, वहीं इस किरदार के लिए मुझे सबसे ज़्यादा प्रेरणा अपनी मां से ही मिली है। मेरे किरदार का सफर साहस, त्याग और अथाह प्यार की है, बिल्कुल वही गुण जो मैंने अपनी मां में हर दिन देखे हैं।

समूची दुनिया के विरोध के बावजूद भारत ने रूस के साथ एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीदने समझौता किया था

नई दिल्ली, एजेंसी। समूची दुनिया के विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने साल 2018 में रूस के साथ एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद के लिए एक समझौता किया था। भारत ने पांच एयर डिफेंस सिस्टम के लिए समझौता किया, जिसकी कुल लागत 5 अरब डॉलर ले ज्यादा की थी। भारत ने रूस के साथ जब यह समझौता किया, तो रूस का कट्टर प्रतिद्वंद्वी अमेरिका बेहद नाराज हुआ था। भारत को संदेह था कि अगर वो रूस से मिसाइल डिफेंस सिस्टम लेता है तो अमेरिका उस पर CAATSA (Countering America's Adverseries Through Sanctions Act) कानून के तहत प्रतिबंध लगा देगा। अमेरिका में ष्ट्र्रञ्जस्न्र एक्ट साल 2017 में आया था, जिसमें कहा गया था कि अगर रूस, उत्तर करिया या ईरान के साथ कोई देश रक्षा या जासूसी से संबंधित कोई समझौता करता है तो उसे इस नियम के तहत अमेरिकी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। भारत का यह डर इसलिए भी जायज था, क्योंकि रूस से इसी मिसाइल डिफेंस सिस्टम के समझौते को लेकर तुर्की पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया था. तुर्की ने एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की खरीद ने लिए साल 2017 में रूस से 2.5 अरब डॉलर का समझौता किया था। इस समझौते को लेकर दिसंबर 2020 में तत्कालीन जो बाइडेन प्रशासन ने तुर्की पर प्रतिबंध लगा दिया था। 2021 में अमेरिका के तत्कालीन उप राष्ट्रपति वेंडी शेरमन ने बिना नाम लिए भारत को चेताया था और कहा था, %अगर कोई देश एस-400 मिसाइल सिस्टम के इस्तेमाल की सोचता है तो यह काफी खतरनाक है।% लेकिन उनकी इस चेतावनी के बाद ही दिसंबर 2021 में एस-400 की पहली यूनिट भारत पहुंची थी। एस-400 के भारतीय वायुसेना में शामिल होने से भारत की सेना कितनी मजबूत हुई है, बीती रात इसका बेहतरीन उदाहरण देखने को मिला है।

ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर, पंजाब और गुजरात के 15 शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन एस-400 ने पाकिस्तान के सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है। एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को दुनिया की सबसे प्रभावी एयर डिफेंस सिस्टम्स में से एक माना जाता है। यह डिफेंस सिस्टम सभी तरह के मिसाइल हमले को हवा में नष्ट कर सकता है। जरूरत पड़ने पर 5-10 मिनट के भीतर इसे प्रभावित इलाके में तैनात किया जा सकता है। एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम बैलेस्टिक मिसाइलों के अलावा विमानों, क्रूज, हाइपरसोनिक हथियारों को पल में तबाह कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एस-400 एक बार में 72 मिसाइलें छोड़ सकती है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि यह एक मोबाइल सिस्टम है, यानी सड़क के जरिए इसे कहीं भी लाया-ले जाया जा सकता है। अगर आपको एस-400 से जुड़ी हमारे यह रिपोर्ट पसंद आई, तो पोस्ट को शेयर अवश्य कीजिए। आपका हर शेयर प्रधानमंत्री का समर्थन और शत्रुओं की हार का प्रतीक होगा।

मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड ने चौथी तिमाही वित्त वर्ष 2024-25 में 25 प्रतिशत शुद्ध लाभ वृद्धि की रिपोर्ट की

मुंबई, एजेंसी। मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड (मित्सु) (बीएसई 540078), ब्लो मोल्डेड और इंजेक्शन मोल्डेड उत्पादों की एक अग्रणी वैश्विक निर्माता कंपनी, जो अस्पताल फर्नीचर के घटकों, इन्फ्रास्ट्रक्चर उत्पादों, पैकेजिंग बोतलों, ड्रम्स, जेरिकैन, पैल्स और कैप्स में विशेषज्ञता रखती है, ने चौथी तिमाही वित्त वर्ष 2024-25 (त्त४ एफवाय25) और पूरे वित्त वर्ष 2024-25 (एफवाय25) के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है।

मित्सु केम प्लास्ट लिमिटेड के चेयरमैन श्री जगदीश देढिया ने कंपनी के प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कहा, वित्त वर्ष 2024-25 (एफवाय25) में हमने 332.88 करोड़ की कुल आय, 23.28 करोड़ का ईबीआईटीडीए, 7.25 करोड़ का शुद्ध लाभ और 5.39 की प्रति शेयर आय हासिल की है, जो हमारे व्यवसाय मॉडल की मजबूती और संतुलित क्रियान्वयन को दर्शाता है।

हमें अपने मजबूत निर्यात प्रदर्शन पर गर्व है, जो हमारे उत्पादों की गुणवत्ता और विश्वभर के भागीदारों के विश्वास का प्रमाण है। इसी विश्वास ने फ़र्नास्त्रा की राह प्रशस्त की – हमारा समर्पित हेल्थकेयर-फर्नीचर ब्रांड, जिसे अस्पतालों और देखभाल केंद्रों में टिकाऊ व एर्गोनॉमिक समाधानों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। हमारे सभी कार्यों की नींव में स्थिरता है – चाहे वह पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों की आपूर्ति हो या हमारे संचालन में ऊर्जा और अपशिष्ट दक्षता को बढ़ाना। आगे की राह में, हमारा लक्ष्य 2028 तक 1,000 करोड़ का मील का पत्थर पार करना है। यह लक्ष्य हमारे 35 वर्षों की नवाचार और ग्राहक केंद्रितता की विरासत को आगे बढ़ाता है।

युद्ध जैसे हालात के बीच इंदौर में सोशल मीडिया की निगरानी तेज

हर पोस्ट के लिए एडमिन जिम्मेदार, पुलिस की चेतावनी

इंदौर। इंदौर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश 4 जुलाई 2025 तक प्रभावी रहेगा। जारी किए गए प्रतिबंधात्मक आदेश निम्नलिखित हैं।

इंदौर नगर निगम सीमा के अंदर किसी भी समुदाय के द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाला कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जाएगा, जिससे शांति और व्यवस्था में विघ्न उत्पन्न हो, और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक विश्वासों के खिलाफ कोई उत्तेजक भाषण दिया जाएगा। कोई भी व्यक्ति खुले स्थानों या मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडा वाटर की बोतल, कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ या कोई भी विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न ही रखेगा, जिसका इस्तेमाल आतंक फैलाने या हिंसक गतिविधियों में किया जा सके। इंदौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के भीतर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई भी अनुचित मुद्रण या प्रकाशन नहीं करेगा, जो साम्प्रदायिक तनाव या समुदायों के बीच वैमनस्य पैदा करे। कोई भी व्यक्ति मौखिक या लिखित रूप में, इलेक्ट्रॉनिक या सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना या अफवाहें नहीं फैलाएगा, जो शांति भंग कर सकती हैं। साथ ही, सोशल मीडिया पर किसी भी धार्मिक शब्द या प्रतीक चिन्ह का प्रयोग नहीं करेगा, जिससे किसी समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे या समाज में विद्वेष की भावना उत्पन्न हो। ऐसे कृत्य को दंडनीय अपराध माना जाएगा। सोशल मीडिया पर ग्रुप एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि वह सुनिश्चित करे कि ग्रुप से जुड़े किसी भी सदस्य द्वारा भड़काऊ या अफवाह फैलाने वाली कोई पोस्ट न की जाए। यदि ऐसा कोई पोस्ट किया जाता है, तो ग्रुप एडमिन उसे तुरंत हटाएगा, संबंधित सदस्य को ग्रुप से बाहर करेगा और स्थानीय पुलिस को सूचित करेगा। किसी भी साइबर कैफे के मालिक/संचालक को यह सुनिश्चित करना होगा कि वे केवल उन्हीं व्यक्तियों को साइबर कैफे का उपयोग करने दें, जिनका पहचान प्रमाण जैसे पहचान पत्र, मतदाता कार्ड, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड या अन्य वैध दस्तावेजों से सत्यापन हुआ हो। बिना आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं का रजिस्टर रखे कोई भी साइबर कैफे संचालित नहीं किया जाएगा। सभी आगंतुकों/प्रयोगकर्ताओं को उनके हस्तलेख में नाम, पता, फोन नंबर और पहचान प्रमाण अंकित कराए बिना साइबर कैफे का उपयोग वर्जित होगा। इसके अतिरिक्त, साइबर कैफे में वेब कैमरा लगाना अनिवार्य होगा, जिससे प्रत्येक आगंतुक की फोटो ली जा सके और उसका अभिलेख सुरक्षित रखा जा सके। इस अभिलेख को कम से कम छह महीने तक संरक्षित रखना आवश्यक होगा।

भारत-पाक टेंशन के बीच सरकार का सख्त कदम ऑनलाइन वॉकी-टॉकी की सेल रोकी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रही टेंशन के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने ऑनलाइन वॉकी-टॉकी की बिक्री पर सख्ती कर दी है. सरकार ने कई ई-कॉमर्स वेबसाइट्स को नोटिस भेजकर ऐसी डिवाइसेज की सेल रोकने का ऑर्डर दिया है. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मिल रहे वॉकी-टॉकी की बिक्री पर रोक लगा दी है. 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के जवाब में भारत ने आतंकियों को मारने के लिए ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसके बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है. इसी के चलते CCPA ने सुरक्षा खतरे का हवाला देते हुए. ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर से वॉकी-टॉकी डिवाइसों की बिक्री पर रोक लगा दी है. CCPA ने कहा कि वॉकी-टॉकी जैसी चीजें बिना लाइसेंस के बेची जा रही थीं, जो कि वायरलेस कम्युनिकेशन नियमों के खिलाफ है. ये डिवाइसेज आसानी से गलत हाथों में जा सकती हैं, जिससे नेशनल सिक्योरिटी को नुकसान पहुंच सकता है. खासकर, भारत-पाक बॉर्डर पर बढ़ते टेंशन को देखते हुए सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर वॉकी-टॉकी बिना किसी वेरिफिकेशन के बिक रहे थे. CCPA ने ऐसे प्लेटफॉर्म्स को तुरंत इन प्रोडक्ट्स को हटाने और भविष्य में बिना परमिशन बेचने से मना किया है. साथ ही, कंज्यूमर्स को भी आगाह किया गया है कि वो ऐसी डिवाइसेज खरीदने से बचें, जिनका इस्तेमाल गैरकानूनी हो सकता है.

सैमसंग ने भारत में अपना सबसे स्लिम एफ सीरीज़ स्मार्टफोन गैलेक्सी एफ56 लॉन्च किया

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज अपने स्न-सीरीज़ पोर्टफोलियो में सबसे स्लिम स्मार्टफोन गैलेक्सी एएफ56 5जी को लॉन्च किया। यह स्मार्टफोन केवल 7.2एमएम पतला है और फ्लैगशिप ग्रेड कैमरा, 6 जेनरेशंस एंड्रॉइड अपग्रेड साइकिल, आगे और पीछे दोनों तरफ गोरिल्ला ग्लास विक्टस+ प्रोटेक्शन और एडवांस एआई एडिटिंग टूल के साथ कई सेगमेंट-लीडिंग फीचर्स से लैस है।

पीडब्ल्यू की प्रज्ञा जैसवाल ने एमपी बोर्ड कक्षा 10 में टॉप किया, 248 छात्र 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने में सफल

भोपाल। एजुकेशन कंपनी फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के एमपी बोर्ड वाला ने कक्षा 10वीं के मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के परिणामों में शानदार प्रदर्शन करने वाले अपने छात्रों की सफलता का जश्न मनाया। पीडब्ल्यू के 10 छात्र राज्य के टॉप 10 रैंकर्स में शामिल हैं। इस सूची में शामिल हैं - प्रज्ञा जैस्वाल(रैंक 1), आयुष द्विवेदी (रैंक 2), अनुराग कुमार साहू (रैंक 5), सौरभ त्रिपाठी और वैष्णवी शुक्ला (रैंक 6), वेदिका पटेल (रैंक 7), अभिमन द्विवेदी और आयुष प्रजापति (रैंक 8), शुभम तिवारी (रैंक 9), और वेदिका चौरसिया (रैंक 10)। ये सभी छात्र पीडब्ल्यू के उड़ान और रूद्र एमपी बोर्ड वाला बैचों का हिस्सा थे, जो एमपी बोर्ड के छात्रों को संरचित पढ़ाई और नियमित मूल्यांकन के माध्यम से मदद करते हैं। इसके अलावा, 248 छात्रों ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। कक्षा 12वीं के परिणामों में भी पीडब्ल्यू के 4 छात्र टॉप 10 में शामिल हुए हैं - हर्ष पांडे (रैंक 2), राधा साहू (रैंक 8), जीवनलाल बाथरे (रैंक 9) और अनामिका पटेल (रैंक 10)। फिजिक्सवाला के संस्थापक और शिक्षक, अलख पांडे ने इस अवसर पर कहा, ये परिणाम छात्रों की मेहनत और हमारे शिक्षण केंद्रों की सोच को दर्शाते हैं। हम देशभर के छात्रों को इसी तरह मार्गदर्शन और अनुभवी शिक्षकों की सहायता प्रदान करते रहेंगे। सिंगरौली की प्रज्ञा जैस्वाल, जिन्होंने राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया, ने कहा, मैं इतने अच्छे अंक लाकर बेहद खुश हूं। इसके लिए मैं अपने परिवार और पीडब्ल्यू की पूरी टीम का धन्यवाद करती हूं। उन्होंने मुझे पढ़ाई के लिए जरूरी स्ट्रक्चर और मोटिवेशन दिया। आगे चलकर मैं सिविल सर्विस में जाना चाहती हूं और देश की सेवा करना चाहती हूं।

भोपाल में दुबई प्रॉपर्टी एक्सपो का आयोजन कल

भोपाल। राजधानी भोपाल वासियों के लिए दुबई में प्रॉपर्टी खरीदने और इन्वेस्टमेंट करने का सुनहरा अवसर । भोपालवासियों के लिए एक शानदार और बेमिसाल मौका आ चुका है! अब दुबई में प्रॉपर्टी खरीदना होगा और भी आसान, सुरक्षित और लाभदायक ङ्क क्योंकि डैन्यूब प्रॉपर्टी दुबई और टारगेट अचीवर भोपाल ला रहे हैं एक एक्सक्लूसी प्रॉपर्टी एक्सपो अपने शहर भोपाल में। यह एक्सपो सिर्फ एक इवेंट नहीं है, यह एक गोल्डन चांस है उन सभी लोगों के लिए जो दुबई के शानदार फर्निश्ड अपार्टमेंट्स, विला, और लग्ज़री टावर्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं सिर्फ 1 प्रतिशत मंथली पेमेंट प्लान और 40+ वर्ल्ड क्लास एमेनिटीज के साथ। दुबई के प्रॉपर्टी एक्सपर्ट्स होंगे मौजूद, जो आपको बताएंगे दुबई प्रॉपर्टी मार्केट की रियल इनसाइट्स ।

टाटा मोटर्स ने कोलकाता में अत्याधुनिक व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी का किया उद्घाटन

कोलकाता, एजेंसी। भारत में वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी, टाटा मोटर्स ने आज कोलकाता में अपनी रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी लॉन्च की है। यह देश में इस तरह की 8वीं फैसिलिटी है। इस अत्याधुनिक सुविधा का नाम री.वाई.आई.री - रीसाइकिल विथ रिस्पेक्ट है। यह अत्याधुनिक सुविधा स्थायी एवं पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं को अपनाती है। यह हर साल ऐसे 21,000 वाहनों को सुरक्षित तरीके से खोलकर अलग कर सकती है, जिसकी उपयोगिता समाप्त हो चुकी हो। इस आरवीएसएफ का परिचालन टाटा मोटर्स के पार्टनर सेलाडेल सिनर्जीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। इस फैसिलिटी में सारे ब्राण्ड्स के यात्री एवं वाणिज्यिक वाहनों था टू व्हीलर्स एवं थ्री व्हीलर्स को जिम्मेदार तरीके से स्क्रैप किया जा सकता है। इस उद्घाटन समारोह में पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय परिवहन मंत्री श्री स्नेहासिस चक्रवर्ती, कोलकाता के मेयर और पश्चिम बंगाल सरकार के शहरी विकास और नगर मामलों के माननीय मंत्री श्री फिरहाद हकीम, जिन्होंने वर्चुअल तरीके से कार्यक्रम में भाग लिया, पश्चिम बंगाल सरकार के परिवहन विभाग के सचिव डॉ. सौमित्र मोहन (आईएएस), और टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल्स के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री राजेश कौल के अलावा पश्चिम बंगाल सरकार और टाटा मोटर्स के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। कंपनी अब जयपुर, भुवनेश्वर, सूरत, चंडीगढ़, दिल्ली एनसीआर, पुणे और गुवाहाटी में रजिस्टर्ड वाहन स्क्रैपेज सेंटर चला रही है। कोलकाता सुविधा पूर्वी भारत में तीसरा री.वाई.आई.री सेंटर है, जिससे इस क्षेत्र के ग्राहकों को बेहतर पहुंच मिलेगी। इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए, पश्चिम बंगाल सरकार के माननीय परिवहन मंत्री श्री स्नेहासिस चक्रवर्ती ने कहा, टाटा मोटर्स के री.वाई.आई.री का उद्घाटन हमारे लोगों के लिए स्वच्छ और बेहतर भविष्य की दिशा में एक स्वागतयोग्य कदम है। यह पहल नए, सुरक्षित और ऊर्जा-कुशल वाहनों को अपनाने में मदद करेगी और परिवहन क्षेत्र में सर्कुलर अर्थव्यवस्था के अवसर पैदा करेगी। हम टाटा मोटर्स, सेलाडेल सिनर्जीज और सभी भागीदारों का आभार व्यक्त करते हैं जो इस पहल को हमारे राज्य में लेकर आए।

मप्र में 200 करोड़ की 36 वृहद सिंचाई परियोजनाओं से बढ़ेगा रकबा

भोपाल। मध्यप्रदेश में दो सौ करोड़ से अधिक की जलसंसाधन विभाग की 36 वृहद परियोजनाओं में से दस इसी साल पूरी होंने जा रही है शेष परियोजनाएं 2029 तक पूरी हो जाएंगी। इन परियोजनाओं का काम समय पर पूरा हो और प्रदेश में सिचाई का रकबा भी बढ़े और पेयजल संकट भी दूर हो इसके लिए मुख्य सचिव अनुराग जैन खुद इन परियोजनाओं की सख्त मानीटरिंग कर रहे है। मध्यप्रदेश में निजी निर्माण संस्थाओं के साथ अनुबंध के जरिए दो सौ करोड़ रुपए से अधिक की 36 वृहद और दो मध्यम सिचाई परियोजनाओं का काम इन दिनों जोर शोर से चल रहा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि इन परियोजनाओं की मानीटरिंग के लिए सीपीएम पेर्ट चार्ट तैयार करे ताकि योजनाओं की प्रगति समयबद्ध रुप से पूर्ण की जा सके।जो परियोजनाएं वन भूमि के कारण अटकी है उन परियोजनाओं को पूरा करने में वन भूमि की स्वीकृतियां अपर मुख्य सचिव वन के साथ बैठक के माध्यम से समन्वय कर उनका निराकरण कराते हुए कराएं। जिन परियोजनाओं में जिला स्तर पर भू अर्जन,तरमीम कब्जा आदि विवाद के कारण कार्य प्रभावित है उनमें संबंधित मुख्य अभियंता जिला कलेक्टर से संपर्क कर शीघ्र निराकरण कराने के प्रयास करें। जो दस परियोजनाएं वर्ष 2025 में पूरी होना है उन कार्यो को पूर्ण करने की समयबद्ध कार्ययोजना बनाई जाकर निर्धारित समयसीमा में पूरी कराने के निर्देश सीएस ने दिए है। पार्वती लोअर और छिंदवाड़ा कांपलेक्स गौड एवं मा रतनगढ़ सूक्ष्म सिचाई परियोजनाओ के अनुबंधों में भुगतान एवं वास्तविक प्रगति की समीक्षा कर पूर्ण प्रकरण की जानकारी सीएस ने अलग से मांगी है। योजनाओं के निर्माण में विलंब के कारणों की समीक्षा विभाग करेगा और जो योजनाएं इसी वर्ष पूरी होना है उनका चार्ट तैयार किया जाएगा। उन सभी परियोजनाओं को विलंबित की श्रेणी में रखा जाएगा जो अनुबंधित अवधि में तो है परन्तु वर्तमान परिस्थितियों के अनुरुप अनुबंधित अवधि में कार्य पूर्ण होना संभावित नहीं है इसमें मूंझरी चेटिखेड़ा जैसी परियोजनाओं को शामिल किया जाए। जल जीवन मिशन, जल निगम की निर्माणाधीन पेय जल परियोजनाओं का लाभ हितग्राहियों को समयसीमा में मिल सके इस हेतु विभाग की ऐसी परियोजनाएं जिनमें पेयजल योजनाएं प्रस्तावित है उन्हें यथाशीघ्र पूरा करने के लिए सीएस ने कहा है इसी क्रम में बंडा परियोजना के बांध का निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश उन्होंने दिए है। मोहनपुरा परियोजना की विस्तार बांयी तट नहर प्रणाली का निर्माण 1004 करोड़ रुपए से 30 जून तक पूरा हो जाएगा। पेंच माइक्रो सिचाई परियोजना कांपलेक्स 263 करोड़ से दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

छिंदवाड़ा में लोकायुक्त का छापा:

10 हजार की रिश्वत लेते आजीविका मिशन के राजीव चौधरी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के मोहखेड विकासखंड में आजीविका मिशन के अधिकारी राजीव चौधरी को लोकायुक्त जबलपुर की टीम ने 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं की शिकायत पर की गई।लोकायुक्त टीम ने उमरानाला रेस्ट हाउस में यह कार्रवाई अंजाम दी, जहां आरोपी अधिकारी रिश्वत की राशि ले रहा था। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है.

आदिवासों ग्रामों में भ्रमण के लिए आए प्रशिक्षु अधिकारियों से कलेक्टर ने किया संवाद

छिंदवाड़ा।आर.सी.व्ही.पी. नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल के निर्देशानुसार एम. पी.पी.एस.सी.परीक्षा से विभिन्न पदों पर चयनित हुए 15 प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए छिंदवाड़ा जिले में 05 से 10 मई 2025 तक आदिवासी ग्रामों में शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इन प्रशिक्षु अधिकारियों में 4 डिप्टी कलेक्टर, 4 डीएसपी(रेडियो), 1 डीएसपी (जीडी) और 6 नायब तहसीलदार को शामिल किया गया था। कलेक्टर श्री सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में इन सभी प्रशिक्षु अधिकारियों से वन - टू - वन संवाद किया और उनके अनुभव जाने। साथ ही शासकीय सेवा में बेहतर दायित्व निर्वहन के लिए कई महत्वपूर्ण टिप्स भी दिए। ये सभी प्रशिक्षु अधिकारी 05 मई को छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव पहुंचे थे, जहां कन्या शिक्षा परिसर जुन्नारदेव में उनके ठहरने की संपूर्ण व्यवस्था प्रभारी अधिकारी मनीष बोरकर और सहायक प्रभारी श्रीमती सी.के. सातनकर द्वारा की गई। जिसके बाद 06 मई को रामपुर क्षेत्र में आंगनबाड़ी, पीआरए गतिविधियाँ, मनरेगा योजना का अवलोकन कराया गया और मवासी समुदाय से संवाद हुआ। भ्रमण में ग्राम पंचायत पिंडरईकला, वकोडी , बजगांव, चउमउ एवं टेकाढाना शामिल थे। 07 मई को चिमटीपुर (पातालकोट) में भारिया जनजाति के जीवन, होम स्टे संस्कृति एवं पारंपरिक ज्ञान की जानकारी ली, 08 मई को ग्राम सांगाखेड़ा के भूराभगत में आदिवासी समुदाय से प्रत्यक्ष चर्चा की। जिसके बाद 09 मई को जनपद पंचायत जुन्नारदेव में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई एवं हिंगलाज मंदिर का भ्रमण भी कराया गया। जिसके बाद कलेक्टर सभाकक्ष में समापन सत्र हुआ, जिसमें कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ अग्रिम कुमार ने अधिकारियों से संवाद किया।

जागेश्वरनाथ धाम कॉरीडोर बनने से मंदिर क्षेत्र की भव्यता बढ़ेगी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने भगवान जागेश्वर नाथ का किया पूजन कॉरीडोर मॉडल का लिया जायजा

दमोह। जिले के जागेश्वरनाथ मंदिर के नवनिमार्ण का आज हम संकल्प ले रहे है, आज भगवान जागेश्वरनाथ का अभिषेक देश की पवित्र नदियों के जल और पवित्र धार्मिक स्थलों की मिट्टी से शिवलिंग का पूजन हुआ है, जिनके माध्यम से हमारी पवित्रता के साथ हमारे आत्मीय भाव का भी जलाभिषेक हुआ है, जागेश्वरनाथ मंदिर में 100 करोड़ की लागत से बनने वाले कॉरिडोर से भगवान जागेश्वरनाथ मंदिर की भव्यता बढेगी। जागेश्वरनाथ मंदिर के कॉरिडोर बनने से मंदिर सहित क्षेत्र की भव्यता बढेगी और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगो को रोजगार मिलेगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव जिले के सुप्रसिद्व जागेश्ववरनाथ मंदिर में 10 करोड की लागत से बनने वाले प्रथम चरण के कॉरिडोर के भूमिपूजन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा पाकिस्तान की घटना के बाद देश के सभी समुदायों ने जो संकल्प लिया वह सराहनीय है, जो हमारा दुश्मन है, वो सबका दुश्मन है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जिनका यह संकल्प आज हमको महादेव के साथ दिखाई देता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व आज बदलते दौर में दुनिया भी भारत के पराक्रम से प्रधानमंत्री को विश्व नेता मान रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा जागेश्वरनाथ और महाकाल मंदिर में कोई अंतर नही है, और मुझे लगता है, कि मै पहली बार यहॉ आया हूं लेकिन बार-बार आना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने किसानो से अपील करते हुए कहा 26 मई को नरसिंहपुर में तीन दिवसीय किसान मेले का आयोजन किया जा रहा है, आप इस किसान मेले में शामिल होकर खेती कि आधुनिक तकनीक सीखे। हमारी गौमाता खेत में किसान की परेशानी का कारण नही बनेगी मध्यप्रदेश में पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा पवित्र नदियों के जल से भगवान जागेश्वर नाथ का अभिषेक किया और हमारा यह संकल्प पूरा हुआ। देश में स्थित नर्मदा, क्षिप्रा जैसी पवित्र जल राशियों जिनके माध्यम से हमारे लिए पवित्रता के साथ अंदर के आत्मीय भाव का भी जलाभिषेक हुआ है। सबको अपने साथ लेकर के सबके साथ चलने का सबका साथ सबका विकास प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी का जोरदार अभिनंदन करें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बाबा विश्वनाथ की जय कारा करते हुये कहा जहां-जहां हमारे सनातन धर्म के सभी देवस्थान और अयोध्या में भगवान राम का मंदिर जगमगा रहा है, प्राचीन संस्कृति अयोध्या मथुरा है, जो हमको अपने जीवन के बाद सीधे मोक्ष से जोड़ती है, ऐसे प्रत्येक धाम को आनंद में और सरकार के साथ सनातन संस्कृति का मौका अगर कोई दे रहा है, तो हमारे प्रधानमंत्री के शासनकाल में दे रहे। जागेश्वर नाथ और महाकाल मंदिर में कोई अंतर नही लगा यहां पहली बार आया लेकिन अब बार-बार आना पड़ेगा। बुंदेलखंड के किसानों की जिंदगी केन- बेतबा से बदलेगी।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा प्रसिद्ध तीर्थ स्थल जागेश्वर धाम धार्मिक आस्था का केन्द्र है। कॉरिडोर की सौगात से क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हुई है। लगभग 10 करोड़ की लागत से बनने वाले कॉरीडोर की नीव आज मुख्यमंत्री जी ने रखी है। उन्होंने प्रदेश एवं जिले के आम नागरिकों, श्रद्धालुओं को बधाई और शुभकामनायें दी।

संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक व धर्मस्य विभाग राज्य मंत्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा जागेश्वरनाथ धाम बहुत ही दिव्य और भव्य बनेगा, यह कॉरिडोर रोजगार परख भी बनेगा, साथ ही कॉरिडोर से पर्यटन का विकास भी होगा और स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। कॉरीडोर में दुकान, फूड कोर्ट, संस्कृत विद्यालय और 12 ज्योतिर्लिंगों की प्रतिकृति भी बनेगी। उन्होंने भारत माता की जयकारा लगाते हुए सेना का भी मनोबल बढ़ाया। संस्कृति राज्य मंत्री लोधी ने कहा देव श्री जागेश्वरनाथ लोक में संस्कृत विद्यालय और फूड कोर्ट भी बनाया जाएगा। इससे क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढेगे।

पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री लखन पटेल ने कहा सहज और सरल स्वभाव के धनी हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से कुछ मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ती, बिना मांगे ही डॉ. यादव इच्छा पूरी कर देते हैं। उन्होंने देव श्री जागेश्वर धाम कॉरिडोर के लिए 100 करोड़ रुपए स्वीकृत करने के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कोपरा और सुनार जैसी नदियों पर सिंचाई परियोजना स्थापित कर दमोह जिले के गांव-गांव तक किसानों के खेतों में पानी पहुंचाये जाने का काम प्रदेश सरकार द्वारा किया जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, पशुपालन राज्यमंत्री लखन पटैल, सांसद राहुल सिंह, विधायक दमोह जयंत कुमार मलैया, विधायक हटा उमादेवी खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता गौरव पटैल, म.प्र.पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व मंत्री दशरथ सिंह लोधी, पूर्व विधायक सोनाबाई, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, भाव सिंह लोधी (मासाब), कमिश्नर सागर डॉ. बीरेन्द्र कुमार रावत, डीआईजी पुलिस सुनील कुमार जैन, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर, पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी सहित जनप्रतिनिधिगण श्रद्धालुजन, सम्मानीय मीडियाजन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

कलेक्टर ने की जनपद पंचायत नरसिंहपुर के जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की गहन समीक्षा

सरपंच, सचिव, जीआरएस एवं उपयंत्री रहे मौजूद, वर्तमान के साथ- साथ भविष्य की जरूरतों को पूरा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी

नरसिंहपुर। कलेक्टर शीतला पटले एवं जिला पंचायत सीईओ श्री दलीप कुमार ने जिला पंचायत सभाकक्ष नरसिंहपुर में जनपद पंचायत नरसिंहपुर के सरपंच, सचिव व ग्राम रोजगार सहायकों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रारंभ किये गये कार्यों, प्रगतिरत कार्यों, अप्रारंभ कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण एवं ई- केवायसी के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये।

बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने उपयंत्रीवार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत- तालाब एवं डगवेल कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में ग्राम पंचायतों को लक्ष्य स्वरूप सौंपे गये कार्यों एवं उनकी प्रगति की जानकारी यहां मौजूद संबंधित सरपंच, सचिव एवं जीआरएस से ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान के साथ- साथ भविष्य की जल से जुड़ी जरूरतों को बनाये रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर श्रीमति पटले ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों के भू- जल स्तर और वर्तमान भू- जल स्तर में काफी अंतर आया है। अपनी जरूरतों के लिए हमने प्रकृति द्वारा प्रदत्त इस उपहार का दोहन किया है, लेकिन प्रकृति को लौटाया नहीं है। इस बारे में हम सभी को गहन विचार- विमर्श करना बेहद जरूरी है।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जनप्रतिनिधि, सचिव, जीआरएस एवं ग्राम पंचायत का मैदानी अमले को आपसी समन्वय कर लोगों को खेत- तालाब निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना होगा। खेत- तालाब के माध्यम से किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर सिंघाड़ा, मछली पालन आदि कार्य कम खर्चे में कर सकते हैं। इसमें प्रारंपरिक खेती की तुलना में अधिक लाभ होता है। साथ ही इससे भू-जल स्तर में वृद्धि और खेत में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी मिलेगा। जिले के कई किसान ऐसे हैं, जिन्होंने प्रारंभिक रूप में एक एकड़ में खेत- तालाब बनाया, बाद में इसकी संख्या बढ़ाई। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले को भी खेत- तालाब बनाने का लक्ष्य दिया गया है। लोग स्वत:स्फूर्त होकर आगे आकर इसे अपनायें। जन आंदोलन का रूप देने की जरूरत है। हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। प्रतिदिन हम जिस तरीके से जल का अपव्यय करते हैं, इस पर नियंत्रण रखना होगा।

कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिये कि 30 जून तक 225 एनआरएम के कार्यो को और निर्धारित खेत- तालाब का लक्ष्य पूर्ण करे। सेक्टर धमना, खमरिया जर. एवं बचई के प्रति पंचायत न्यूनतम तीन कार्य अवश्य चयन करने के निर्देश दिये। साथ ही ग्राम पंचायत बहोरीपारकला, बबरिया, बकौरी, नयागांव में पांच खेत- तालाब चनित कर तीन दिवस में संपूर्ण कार्यवाही पूर्ण करने कहा। ग्राम पंचायत बेलखेड़ा, भरवारा, डोकरघाट, डोंगरगावं अं, घाटपिंडरई, खमरिया ज. खमतरा, सहजपुरा, सुपला, सूरजगांव, धमना, गरारू, खापा, मचवारा, मुर्गाखेड़ा, नयाखेड़ा, बचई, चीलाचोनखुर्द, चीलाचोनकला, चौराखेड़ा, डांगीढाना, करहैया बचई, खुरपा, मुडिया को प्रति पंचायत तीन-तीन खेत तालाब का लक्ष्य दिया गया। साथ ही दो दिवस में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये।

आवास योजना में कम पाये जाने पर वेतन काटने के निर्देश: बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा योजनांतर्गत प्रगतिरत सामुदायिक कार्यों पर जिन ग्राम पंचायतों द्वारा एनएमएमएस नहीं की जा रही है, उनका उस दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रगति अत्यंत कम पाये जाने पर ग्राम पंचायत बंदरोहा, धमना, खापा, नयागांव, रानीपिंडरई, डोकरघाट, घाटपिंडई, सुपता, जरजोला, झिरीखुर्द, सूरजगांव, चीलाचोन कला, धबई, पस्ताना को नोटिस जारी के निर्देश दिये गये।

समग्र ईकेवायसी में प्रगति नहीं लाने पर नोटिस जारी बैठक में समग्र ई- केवाएसी की समीक्षा की समीक्षा के दौरान 08 मई तक ई-केवायसी में निम्न प्रगति वाली ग्राम पंचायत मुर्गाखेड़ा, डोकरघाट, झिरीखुर्द, धबई, धुबघटगोड़ी, ढाना, रानीपिंडरई, पिठेहरा को नोटिस जारी के निर्देश दिये गये। साथ ही अन्य ग्राम पंचायतों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये गये।

फुले फिल्म कांतिशिवा सिनेमाघर गंज में हुई प्रदर्शित

महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन संघर्ष पर आधारित है फिल्म

बैतूल। समाज में शिक्षा, समानता और जागरूकता की अलख जगाने वाले महापुरुषों के जीवन पर आधारित फिल्मों का समाज में विशेष महत्व होता है। इसी क्रम में एक अत्यंत प्रेरणादायी फिल्म ÷फुले÷ का प्रदर्शन बैतूल के कांतिशिवा टॉकीज गंज में 9 मई 2025 से प्रारंभ हुई है। यह फिल्म 15 मई दिन गुरुवार तक प्रतिदिन दो शो में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म का पहला शो दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक एवं दूसरा शो शाम 6 बजे से 9 बजे तक होगा। पहला शो प्रारम्भ होने के पहले क्रांतिसूर्य महात्मा ज्योतिबा फुले एवं क्रान्ति ज्योति माता सावित्रीबाई फुले के छायाचित्र पर कांतिशिवा सिनेमाघर के संचालक विवेक मालवीय द्वारा माल्यार्पण कर उन्होंने आह्वान किया कि शिक्षा के इतिहास को प्रदर्शित करती हुई ये फिल्म बैतूल जिलेवासियों को अवश्य देखना चाहिए, जिससे उन्हें शिक्षा के संघर्ष का इतिहास जानने को मिलेगा। इस अवसर पर सिद्धार्थ झरबड़े धर्मदास दवन्डे, कमलेश उबनारे, शिवकिशोर पाटिल, विनोद दवन्डे, अरुण डोंगरे, गोपाल झरबड़े, संदीप सूर्यवंशी व अन्य समाजसेवी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म महात्मा ज्योतिबाराव फुले और भारत की प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्रीबाई फुले के संघर्षमय जीवन, उनके सामाजिक आंदोलनों, शिक्षा के क्षेत्र में योगदान एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों को दर्शाती है। सामाजिक संगठनों ने सभी से इस फिल्म को देखने और महापुरुषों के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक जागरूकता फैलाने में अपना योगदान देने की अपील की है।

भाजपा का असली चेहरा बेनकाब: बाबा साहब अंबेडकर का अपमान

संविधान पर हमला हमेशा से संविधान को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं: राकेश तिवारी

मण्डला। संविधान मिटाने की भाजपाई साजिश अब जनता के सामने है,मध्यप्रदेश में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ.भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों के साथ बार-बार हो रहे अपमान और तोड़फोड़ की घटनाएँ अब केवल अपराध नहीं,बल्कि एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा बन चुकी हैं।भाजपा के शासन में दलित समाज के प्रतीकों,उनकी आस्था और संवैधानिक मूल्यों पर लगातार हमले हो रहे हैं।यह न केवल दलित समाज का अपमान है,बल्कि भारत के संविधान और सामाजिक न्याय की नींव पर प्रहार है।क्या भाजपा को बाबा साहब की विचारधारा से डर लगता है?

बिछिया विधायक पट्टा ने अपने वक्तव्य में कहा डॉ अम्बेडकर जी की मूर्ति के साथ हुई शर्मनाक घटना पिछले कुछ महीनों में मध्यप्रदेश में डॉ.अंबेडकर की मूर्तियों के साथ हुई शर्मनाक घटनाएँ इस सवाल को और गंभीर बनाती हैं,शिवपुरी (पिछोर) अप्रैल 2025 में बाबा साहब की मूर्ति को चौथी बार नुकसान पहुँचाया गया।क्या यह केवल संयोग है कि एक ही स्थान पर बार-बार ऐसी घटनाएँ हो रही हैं?

सीधी में अप्रैल 2025 में मूर्ति पर खाद्य पदार्थ और चंदन का लेप लगाकर अपवित्र करने का घृणित प्रयास,यह दलित समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ नहीं तो और क्या है? छतरपुर (बरी गाँव) में मार्च 2025 में मूर्ति की स्थापना के मात्र दो दिन बाद उसे गायब कर दिया गया।इसे क्या कहेंगे प्रशासन की नाकामी या मौन समर्थन। श्योपुर (गोठा गाँव) में नवंबर 2024 में दलित बस्ती को जलाने के साथ-साथ बाबा साहब की मूर्ति को अपवित्र किया गया।यह हिंसा और नफरत की पराकाष्ठा है।इसी शर्मशार मामले को लेकर पूर्व विधायक डॉ.अशोक मर्सकोले ने कहा कि इन घटनाओं का सिलसिला म.प्र.में भाजपा के शासनकाल में ही क्यों तेज हुआ है? क्या यह सब महज लापरवाही है या इसके पीछे एक गहरी साजिश है?क्या बाबा साहब की समता,स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय की विचारधारा भाजपा की सांप्रदायिक और विभाजनकारी नीतियों के लिए खतरा बन गई है? जिला कांग्रेस अध्यक्ष एड.राकेश तिवारी ने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा यह केवल मूर्तियों का अपमान नहीं,बल्कि संविधान और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर खुला हमला है। भाजपा का असली चेहरा अब बेनकाब हो चुका है। बाबा साहब के विचारों को मिटाने की कोशिश करने वालों को संरक्षण देना बंद करें।यदि ऐसा नहीं हुआ, तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक और गाँव से लेकर शहर तक इस अन्याय के खिलाफ आंदोलन करेगी।हम बाबा साहब के सपनों को कुचलने की साजिश को कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

वहीं कांग्रेस के पूर्व विधायक प्रो.संजीव उईके ने कहा कि भाजपा की चुप्पी और संरक्षण की नीति हम सफल नहीं होने देंगे।दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या अपराधियों को सत्ताधारी दल का संरक्षण प्राप्त है? स्थानीय प्रशासन की निष्क्रियता और पुलिस की उदासीनता इस बात का सबूत है कि यह सब एक सुनियोजित तरीके से हो रहा है।

जिला कांग्रेस द्वारा इस गंभीर मुद्दे पर निम्नलिखित माँगें गई है मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो,प्रदेश के सभी अंबेडकर मूर्ति स्थलों पर तत्काल सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाए जिसमें सीसीटीवी और पुलिस गश्त शामिल हो,दोषियों पर रासुका के तहत कार्रवाई, इन घटनाओं के दोषियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (रासुका) के तहत सख्त कार्रवाई हो,ताकि भविष्य में कोई ऐसी हिम्मत न कर सके,विशेष जांच आयोग का गठन कर इन घटनाओं की निष्पक्ष और गहन जाँच के लिए एक विशेष जांच आयोग का गठन किया जाए, जो इस साजिश के पीछे की सच्चाई को उजागर करे, दलित समाज को न्याय,पीड़ित समुदाय को त्वरित न्याय और सुरक्षा प्रदान की जाए साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में सामाजिक सौहार्द बहाल करने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ।कांग्रेस पार्टी ने कहा कि बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जी के विचारों और उनके द्वारा स्थापित समता,स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।हम दलित समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं और उनके सम्मान,सुरक्षा और अधिकारों के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ेंगे।

मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी की कॉलोनी में दिनदहाड़े हो रही है चोरियां

रिटायरमेंट के बाद खाली घर बन गया चोरों का अड्डा

राजेश नायर सारनी। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी मध्य प्रदेश विद्धत मंडल सारनी की कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। बुधवार को चोरों ने दिनदहाड़े एक कर्मचारी के घर में चोरी कर लूट की वारदात को अंजाम देकर शहर में सनसनी फैला दी है। क्या कॉलोनी में सुरक्षा व्यवस्था स्थानीय प्रशासन भगवान भरोसे मालूम होता है। सूत्रो के अनुसार घटना बुधवार दिन की है। चोरों ने वार्ड क्र.- 02 में कर्मचारी उमेश झरबडे के घर में दिनदहाड़े हाथ साफ कर दिया। चोरों ने घर से 25 हजार रुपये नगद, सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 98 हजार रुपये का सामान चुरा लिया। घटना बुधवार सुबह लगभग 11.30 बजे की है। जब उमेश झरबडे अपनी पत्नी और बेटी के साथ सगाई कार्यक्रम में शामिल होने आमला गए हुए थे। चोरों को पता था कि घर खाली है। इसलिए उन्होंने दिनदहाड़े चोरी की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने शुरू की जांच

उमेश झरबडे ने सारनी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफएलसी टीम और डॉग स्क्वाड ने मौके का निरीक्षण किया है। उम्मीद है कि पुलिस जल्द ही चोरों को पकड़ लेगी।

खाली पड़े घर बने चोरों का अड्डा

मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के अधिकांश आवास खाली पड़े हुए है। क्योंकि पावर जनरेटिंग कंपनी के कर्मचारियों का रिटायरमेंट हो रहा है। और उन पर पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है। इसके चलते अधिकांश रिटायरमेंट कर्मचारी रिटायरमेंट के तुरंत बाद ही आवास खाली करने को मजबूर हो रहे हैं।

खंडहरों में तब्दील हो रहे आवास,पावर जनरेटिंग कंपनी के खाली पड़े आवास या तो खंडहरों में तब्दील हो जा रहे है। क्योंकि खाली होते ही आवास के दरवाजे-खिड़कियां चोरों द्वारा चुरा लिए जाते हैं। क्या पावर जनरेटिंग कंपनी इन आवासों की सुरक्षा के लिए कोई नया कदम उठाएगी? यह चोरी की घटना म.प्र.वि.मंडल कॉलोनी की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बड़ा सवाल खड़ा करती है। क्या अब कंपनी के कर्मचारी अपने घरों में सुरक्षित हैं?

स्थानीय प्रशासन सिक्युरिटी ऑफिसर शरद राघव सारनी इनका मोबाइल कवरेज में नहीं होने से जानकारी नही मिल पाई।

इनका कहना है

सारनी वार्ड 2 में चोरी की जानकारी मिली है। नगद व जेवर सहित लगभग 98 हजार की चोरी हुई है। मामला दर्ज किया है। जाँच चालू है।

थाना सारनी टी आई
जयपाल इनवाती

किसानों की समस्याओं को लेकर पूरी तरह से मुखर है कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। बिजली, पानी, खाद व बीज की आपूर्ति व मूल्यवृद्धि से त्रस्त किसानों के हक में कांग्रेस लगातार भाजपा सरकार को घेर रही है। अन्नदाता की समस्याओं के निवारण हेतु कांग्रेस पूरी तरह मुखर है। पार्टी के नेता भाजपा सरकार पर लगातार प्रहार कर उसे घेर रहे हैं तो वहीं संविधान की रक्षा के लिए भी किसानों को एकजुट कर संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष हेतु जनमानस को तैयार किया जा रहा है।

go-DR/DHR/244272Dated 21.05.2024

कृषि उत्पादक संगठन सहकारी संस्था मर्यादित, तिरला (धार)
सी.ई.ओ. व लेखापाल की नियुक्ति के लिए

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि उत्पादक सहकारी संगठन मर्यादित तिरला (धार) जिला धार जिसका कार्यालय तिरला (धार) है के लिए C.E.O. और लेखापाल की नियुक्ति करना है, जिसके लिए योग्यता /अर्हता निम्नानुसार होना चाहिए, अनुभवी व्यक्ति को डिग्री के साथ प्राथमिकता दी जावेगी, अंतिम निर्णय चयन कमेटी का रहेगा।

क्रमांक	पद	योग्यता
01	सी.ई.ओ. 01	1) स्नातक (कृषि/मैनेजमेंट/साइंस) व कम्प्यूटर में दक्षता अनिवार्य
02	लेखापाल 01	12 वी वाणिज्य / गणित विषय से उत्तीर्ण व कम्प्यूटर में दक्षता अनिवार्य

इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन दिनांक 18 मई 2025 तक संस्था कार्यालय तिरला (धार) में जमा करें।

प्रबंधक
कृषि उत्पादक सगठन
सहकारी संस्था मर्यादित तिरला (धार)

अध्यक्ष
कृषि उत्पादक संगठन
सहकारी संस्था मर्यादित, तिरला (धार)

मध्यप्रदेश में बहेगी समृद्धि की जलधारा

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

देवेन्द्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना'

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र

सरकार के मध्य एमओयू

मुख्य अतिथि
देवेन्द्र फडणवीस
मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

10 मई, 2025 । अपराह्न 3:00 बजे । मिंटो हॉल, भोपाल

मध्यप्रदेश के 1 लाख से अधिक हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का होगा विस्तार

यह परियोजना मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र सरकार की संयुक्त भू-जल पुनर्भरण की परियोजना है, इससे लाभान्वित होने वाले जिलों में कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी

सिंचाई सुविधा के साथ पेयजल और उद्योगों के लिए जल आपूर्ति

'तापी बेसिन मेगा रीचार्ज परियोजना' से भविष्य में जल की आवश्यकता की पूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी

लाभान्वित जिले

खंडवा जिले की खालवा तहसील एवं बुरहानपुर जिले में नेपानगर, खकनार और बुरहानपुर तहसीलें लाभान्वित होंगी

D-11022/25